सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" तारीफ की चाहत तो नाकाम लोगों की फितरत है
काबिल लोगों के तो दुश्मन भी कायल होते हैं...!! "
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-187 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 26 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

भिलाई इस्पात संयंत्र से फ्लू डस्ट की आड़ में स्क्रैप-कोयला चोरी का रैकेट उजागर

लोडर ऑपरेटर गिरफ्तार, प्रकरण में 16वीं गिरफ्तारी, 3 .22 करोड़ की संपत्ति की गई जप्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

पुरानी भिलाई पुलिस ने भिलाई इस्पात संयंत्र से फ्लू डस्ट परिवहन की आड़ में लौह स्क्रैप और कोक/कोयला चोरी करने वाले संगठित गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक 16 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपी हेमंत देवांगन उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम मोखा जिला धमतरी हिमांशु ब्रदर्स कंपनी में लोडर ऑपरेटर था। पुलिस ने आरोपी से घटना में प्रयुक्त लोडर CG 07 CE 0249 भी जप्त कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

कैसे होता था चोरी का खेल

पुलिस के अनुसार 26 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम अकलोरडीह

खदानपारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स और प्लॉट क्रमांक-18 एच.आई.ए. हथखोज में छापा मारा गया था। वहां हाईवा, ट्रक और अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम, कटिंग सामग्री और बड़ी मात्रा में लौह स्क्रैप मिला था।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह के सदस्य बीएसपी से फ्लू डस्ट परिवहन के दौरान लौह स्क्रैप के साथ-साथ कोक/कोयला भी फ्लू डस्ट के नीचे छिपाकर बाहर भेजते थे। बाद में उसे अवैध रूप से संग्रहित कर बेचा जाता था। आरोपी हेमंत देवांगन ने बताया कि वह पिछले 4-5 माह से गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर रात में यह काम कर रहा था।

अब तक 3.22 करोड़ की संपत्ति जप्त

इस कार्रवाई में मौके से लगभग 250 टन लौह प्लेट, बीम कटिंग और अन्य स्क्रैप सामग्री जप्त की गई थी। स्क्रैप परिवहन और लोडिंग में इस्तेमाल होने वाले वाहन, हाईड्रा, जेसीबी और अन्य मशीनरी भी जब्त की गई। पुलिस के मुताबिक अब तक प्रकरण में लगभग 90 लाख रुपये मूल्य का लौह स्क्रैप और वाहनों-मशीनरी सहित कुल 3 करोड़ 22 लाख रुपये की संपत्ति जप्त की जा चुकी है।

थाना पुरानी भिलाई पुलिस की विवेचना टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने अन्य फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की चोरी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

देवभूमि लेआउट में जमीन के लिए खूनी खेल, चाकू चले, युवक रेफर

घायल युवक

आरोपी राजेश सिंह

राजेश सिंह सहित कई पर हत्या के प्रयास की एफआईआर, 2 गिरफ्तार, सरगना फरार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मोहन नगर थाना क्षेत्र के देवभूमि लेआउट में जमीन के हिसाब-किताब की बैठक खून से सन गई। पुराने झगड़े में गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडे और चाकू चल गए। हमले में एक युवक की हालत गंभीर है जिसे रायपुर रेफर करना पड़ा। पुलिस के अनुसार 25 जुलाई को दोनों पक्ष हिसाब-किताब निपटाने देवभूमि लेआउट पहुंचे थे। बात बिगड़ी तो आरोपियों ने जानलेवा हमला बोल दिया।

एफआईआर में ये नाम : शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने राजेश सिंह, अशोक सिंह, विक्की सिंह, विजय मेमन समेत अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में केस दर्ज किया है। हमले में नरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। पहले उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, फिर हालत बिगड़ने पर मेकाहारा रायपुर रेफर किया गया। इस मारपीट में शिकायतकर्ता और रूपेश यादव को भी चोटें आई हैं।

2 पकड़े गए, मुख्य आरोपी फरार : पुलिस ने फौरन एक्शन लेते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस पूरे घटनाक्रम का मुख्य आरोपी बताया जा रहा राजेश सिंह अभी फरार है। पुलिस की टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। जानकारी के मुताबिक राजेश सिंह आपराधिक बैकग्राउंड वाला है। उसके खिलाफ पहले से मारपीट और अवैध शराब के कई प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस का बयान : मोहन नगर पुलिस का कहना है, "मामले को गंभीरता से लिया गया है। जांच तेज कर दी गई है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।"

दिनदहाड़े हुई इस चाकूबाजी के बाद देवभूमि लेआउट इलाके में दहशत है। जमीन विवाद अब जानलेवा बन चुका है और पुलिस पर इसे जल्दी सुलझाने का दबाव है।

रायपुर समेत कई जिलों में आज बारिश का रेड अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मौसम में लगातार बदलाव का सिलसिला जारी है। जुलाई के माह के अंत में कुछ इलाकों में बारिश हो रही है, वहीं मध्य क्षेत्रों में कम पानी गिरने से तापमान बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने विकेंड पर प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बारिश होने को लेकर अलर्ट जारी किया है। वहीं रायपुर, गरियाबंद, धमतरी समेत कई जिलों में तेज हवाएं चलने, आकाशिय बिजली और बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

जंतर-मंतर आंदोलन के दबाव में झुकी सरकार

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सीजेपी की सभी मांगें मानीं; आंदोलन समाप्त, पथराव में 5 पुलिसकर्मी घायल, आंसू गैस के गोले छोड़े

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

30 दिन से चले छात्र आंदोलन ने आखिरकार सरकार को झुका दिया। पेपर लीक और नीट गड़बड़ी के विरोध में जंतर-मंतर पर डटे छात्रों की सबसे बड़ी मांग पूरी हुई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार दोपहर 2:20 बजे इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के ऐलान के साथ ही जंतर-मंतर पर वंदे मातरम् और जन गण मन के नारे गूंजे, मिठाइयां बंटीं। इस्तीफे के बाद छात्र संगठन CJP- कॉकरोच जनता पार्टी ने शाम 5:20 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। सरकार ने उनकी सभी मांगें मान ली हैं।

इस्तीफे से पहले फिर भड़की हिंसा

इस्तीफे की घोषणा से कुछ घंटे पहले शनिवार को जंतर-मंतर पर हालात फिर बेकाबू हुए। टॉलस्टॉय मार्ग और संसद मार्ग टी-पॉइंट पर कुछ प्रदर्शनकारियों ने पानी की बोतलें और पत्थर फेंके। इसमें 1 ACP समेत 5 पुलिसकर्मी घायल हुए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए दिल्ली पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इलाके की घेराबंदी कर RAF और अतिरिक्त बल तैनात किया गया। यह पिछले 6 दिनों में चौथा टकराव था। सोमवार, मंगलवार और बुधवार को भी झड़पें हो चुकी थीं। पुलिस का कहना है कि भीड़ में कुछ बाहरी और उपद्रवी तत्व चेहरे ढककर पथराव कर रहे थे, जबकि अधिकांश छात्र शांतिपूर्ण थे।

राहत की बात यह है कि इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारी लौटने लगे। डीएमआरसी ने राजीव चौक, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, लोक कल्याण मार्ग, पटेल चौक, जनपथ, क्ळड, नई दिल्ली समेत सभी बंद मेट्रो स्टेशन खोल दिए।

सरकार-सीजेपी के बीच डील, ये रहीं 3 बड़ी मांगें

शाम को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ.

जितेंद्र सिंह ने उखढ के प्रवक्ता सौरव दास और नीति प्रमुख आशुतोष शंका से 90 मिनट बातचीत की। इसके बाद घोषणाएं हुईं:

1. दिल्ली और देशभर में प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी ऋक्कफ्रद्द होंगी। भविष्य में भी कोई कार्रवाई नहीं होगी।
2. पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को 1-1 करोड़ मुआवजा। इस पर काम के लिए सरकार ने 1 महीने का समय मांगा।
3. शिक्षा मंत्री का इस्तीफा।

CJP ने कहा कि एक महीने बाद डिमांड चार्टर पर अमल देखने प्रतिनिधिमंडल फिर सरकार से मिलेगा। प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

धर्मेंद्र प्रधान ने क्या कहा

इस्तीफे के पत्र में प्रधान ने लिखा, "देश की युवाशक्ति ही असली ताकत है। जंतर-मंतर और देश की स्थिति का राष्ट्रविरोधी ताकतें लाभ न उठाएं, एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेच में न उलझे, इसलिए मैंने त्यागपत्र भेजा।"

उन्होंने 3 मई को NEET-UG में अनियमितता के बाद उइकजांच, परीक्षा रद्द और 21 जून को पुर्नपरीक्षा कराने का जिक्र किया। कहा कि 16 जुलाई का परिणाम संतोषजनक रहा, पर कुछ लोगों ने छात्रों को गुमराह करने की कोशिश की।

आंदोलन के टॉप 5 चेहरे जिन्होंने रील्स से रिवॉल्यूशन किया

अभिजीत दिपके - संस्थापक, CJP: बोस्टन यूनिवर्सिटी से मास्टर्स। सुप्रीम कोर्ट की "कॉकरोच" टिप्पणी के बाद 16 मई को सोशल मीडिया पोस्ट से आंदोलन शुरू किया। ऑनलाइन गुस्से को जमीनी मशीनरी में बदला। टाइफाइड के बावजूद 40 दिन मैदान में डटे रहे।

दिपके: "सुबह हो गई मामू। डेमोक्रेसी की सुबह हो गई। ये पहला विकेट है।"

मां अनीता दिपके: "40 दिन से चैन से नहीं सोए। यह जीत सिर्फ अभिजीत की नहीं, सभी छात्रों की है।"

आशुतोष शंका - नीति प्रमुख, CJP: क्क्ळ कानपुर, मैकेंजी सलाहकार। आंदोलन को राजनीतिक दलों से दूर रखा। 3 मांगें तय कीं - इस्तीफा, मुआवजा, FIR न हो।

सौरव दास - प्रवक्ता, CJP: खोजी पत्रकार। आंदोलन का सूचना नियंत्रण कक्ष संभाला। सरकार से वार्ता में मुख्य चेहरा।

सोनम वांगचुक - 'नैतिक कमांडर': 28 जून से अनिश्चितकालीन अनशन। 18 जुलाई को हिरासत में लिए गए। 21 जुलाई को मेदांता शिफ्ट। बोले, "इस्तीफा मंजिल नहीं, शिक्षा में सुधार जरूरी।"

गीतांजलि आंगमो: वांगचुक की गैरमौजूदगी में मार्च की कमान संभाली। आंदोलन को जंतर-मंतर पर केंद्रित रखा।

दिग्गजों के बयान

- अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री: "भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए पद से अधिक देश और युवा महत्वपूर्ण हैं। प्रधान का इस्तीफा इसी को दर्शाता है।"

- पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री: उनका अकडीपफेक वीडियो पाकिस्तान से फैलाए जाने पर चाणक्यपुरी में FIR हुई।

- रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री दिल्ली: "प्रधान का इस्तीफा राष्ट्रहित और नैतिक मूल्यों की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। NEP-2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षा और उच्च शिक्षा विस्तार में उनकी बड़ी भूमिका रही।"

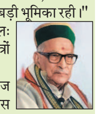

- मुरली मनोहर जोशी, भाजपा मार्गदर्शक मंडल: "देर आए दुरुस्त आए। शिक्षा जगत में शांति होगी। छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के अवसर मिलेंगे।"

- मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष: "भारत के छात्रों की आवाज सत्ता तक पहुंची। यह करोड़ों युवाओं, सत्य और साहस की जीत है। मोदी सरकार का हठ हारा।"

- राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष: "अमित शाह ने पेलेट गन इस्तेमाल की अनुमति दी। इसे संसद में उठाएंगे। युवाओं की आवाज न सुनी तो इससे बड़ा आंदोलन होगा।"

- अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष: "यह इस्तीफा छात्र आंदोलन की जीत है। सिर्फ दिखावटी बदलाव नहीं, पूरी परीक्षा व्यवस्था में बदलाव जरूरी।"

- उद्धव ठाकरे, शिवसेना UBT: "युवाओं ने देश को डर के माहौल से बाहर निकाला। एक 'कॉकरोच' ने तानाशाह को झुकाया।"

पेपर लीक का आंकड़ा

रिपोर्ट के अनुसार 10 साल में 89 पेपर लीक, 6.5 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित। 48 परीक्षाएं दोबारा हुईं। 2019-2024 के बीच 65 बड़ी परीक्षाएं लीक, 27 रद्द/स्थगित, 3 लाख सरकारी नौकरियां अटकीं। सबसे ज्यादा UP-11, MP-9, राजस्थान-9 मामले।

- घायल छात्रा: RML में भर्ती 21 वर्षीय छात्रा 72 घंटे बाद वेंटिलेटर से हटकर सामान्य सांस ले रही है।

- फर्जी पोस्ट: DCP रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि महिला पुलिस अधिकारी की मौत और रात में कार्रवाई जैसे दावे फर्जी थे। कुछ पोस्ट पाकिस्तान से भी।

- सफदरजंग विवाद: सोनम वांगचुक का वीडियो प्रतिबंधित क्षेत्र का था। हाईकोर्ट आदेश के बाद शाम 6:40 बजे मेदांता टीम को सौंपा गया।

NDA के 12 साल में पहली बार आंदोलन के दबाव में केंद्रीय मंत्री का इस्तीफा हुआ है। अब सरकार का फोकस मानसून सत्र में पब्लिक एग्जामिनेशन बिल और अन्य लंबित विधेयकों पर होगा।

कमल साल्वेंट और राइस मिल की काली राखड़ से गांवों का दम घुटा

मिट्टी, पानी, फसल और सेहत सब पर असर, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु / सोमनी-राजनांदगांव

ग्राम सोमनी में स्थित कमल साल्वेंट और श्रद्धा राइस मिल से निकलने वाली काली राखड़ अब पूरे इलाके के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट बन गई है। प्लांट से उड़ती राखड़ और राखड़ के ढेरों के कारण हवा, पानी, खेत और जीव-जंतु सभी प्रभावित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज हवा के साथ राखड़ के महीन कण कई किलोमीटर तक फैल जाते हैं। घरों की छत, कार, पेड़ों की पत्तियां और खेतों की फसलें काली परत से ढक जा रही हैं। गांव वाले बताते हैं, "पहले घर के बाहर कपड़े सुखाते थे, अब 1-2 घंटे में ही काले हो जाते हैं। बच्चों को खांसी-जुकाम लगा ही रहता है।"

सेहत पर सीधा खतरा

राखड़ के महीन कण हवा में घुलकर अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। स्कूल के बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। आंखों में राखड़ पड़ने से आंख खराब होने का भी खतरा बढ़ गया है।

खेती और जलस्रोत जहरीले

कृषि पर भी इसका भारी असर है। बारिश के साथ राखड़ नालों और नदियों में मिलकर पानी को जहरीला कर रही है। खेतों की उवर्रा शक्ति घट रही है और किसानों के मुताबिक पैदावार 20-30% तक कम हो गई है। जानवर, पक्षी और जलीय जीव भी दूषित पानी और घास खाने से बीमार पड़ रहे हैं। कई जगह पक्षियों के पंखों पर राखड़ जमने से उनके उड़ने में दिक्कत आ रही है।

सड़क पर मालवाहक वाहन, आवाजाही बाधित

ग्रामीणों ने यह भी शिकायत की है कि कंपनियों में आने वाले मालवाहक वाहन नवीन सर्विस रोड पर खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है और आवाजाही प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के साथ प्रकृति और जीवों की रक्षा भी जरूरी है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ी को इस काली राखड़ की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

लोगों की मांग

ग्रामीणों ने कई बार शासन को जानकारी दी, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। लोगों की मांग है : राखड़ डंपिंग साइट को ढककर रखा जाए और नियमित पानी का छिड़काव हो। कंपनियों की सख्त मॉनिटरिंग हो और नियम तोड़ने पर जुर्माना लगे। प्रभावित गांवों में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं।

"मेहनत और ईमानदारी से किया गया हर प्रयास फलदायी होता है" – शिखा दुबे

भिलाई इस्पात संयंत्र के 26 मेधावी छात्र-छात्राओं का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, सतीश मिश्रा और शैलेंद्र भोई के मार्गदर्शन में भिलाई विद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया स्वागत गीत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा संयंत्र में संचालित स्कूलों के कक्षा 8वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं का "प्रतिभा सम्मान समारोह" शुक्रवार को भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं) ए.बी. श्रीनिवास और विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे थीं। विभिन्न स्कूलों से आमंत्रित प्राचार्य/प्राचार्या सुमिता सरकार, रूबी बर्मन रॉय, विजय सिंह पवार, उवर्शी साहू सहित शाला प्रमुख भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। मेधावी छात्रों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। सतीश मिश्रा और शैलेंद्र भोई के मार्गदर्शन में भिलाई विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

"हर विद्यार्थी में नैसर्गिक प्रतिभा होती है"

स्वागत भाषण में शिखा दुबे ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में नैसर्गिक प्रतिभा होती है, जरूरत है सही देखभाल और निखार की। उन्होंने कहा, "मेहनत और ईमानदारी से किया गया हर प्रयास फलदायी होता है। आज जिन्होंने मेहनत की है उन्हें इस मंच से पुरस्कृत किया जा रहा है। ऐसे सम्मान समारोहों से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है।"

उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, अनुशासन, शारीरिक गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में एक हॉबी/रुचि भी होनी चाहिए जो व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है।

"लक्ष्य बनाकर मेहनत का परिणाम है यह सफलता"

मुख्य अतिथि ए.बी. श्रीनिवास ने कहा कि इन बच्चों की प्रतिभा ने साबित किया कि उन्होंने लक्ष्य बनाकर मेहनत और लगन से अध्ययन किया है। "इस प्रकार के कार्यक्रम जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करने के लिए सदैव प्रेरित करते हैं। विद्यार्थियों की इस सफलता में माता-पिता, भाई-बहन और शिक्षकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।" इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। न्यासा जॉन नंद और आराध्या गुप्ता, ईएमएस रुआबांधा सेक्टर की पूर्व छात्राओं ने भी अपनी सफलता का अनुभव साझा किया।

26 छात्र-छात्राएं सम्मानित

बीएसपी के विभिन्न स्कूलों से कुल 26 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

ईएमएमएस सेक्टर-7: निधि यादव, डी. अनुष्का, देवेन्द्र कुमार निषाद, राजनंदनी सिंह, पृथ्वी सिंह है।

ईएमएस सेक्टर-9: अलविया सिद्धकी, एकलव्य देवांगन, के. वंशिका, माहीन फातिमा, अर्नव भुई, सांची साव है।

ईएमएमएस सेक्टर-6: ममता पटेल, वरुण, जी. योग्या, एस. दिव्यांशी, विनय मंडावी, अदिति यादव है।

ईएमएमएस सेक्टर-1: अनिका, आयत परवीन, अद्या रेड्डी, राइजा परवीन है।

ईएमएमएस रुआबांधा सेक्टर: न्यासा जॉन नंद, दामिनी साहू, नव्या खोब्रागडे, आराध्या गुप्ता, दीपिका कुमारी है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 की प्राचार्या सुमिता सरकार ने सभी अतिथियों, पालकों, विद्यार्थियों और शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सजीथा राजेश ने किया। भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के प्राचार्य विजय सिंह पवार का आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग से उप प्रबंधक विभा रानी कटियार, सहायक प्रबंधक मनीष तिवारी और राजेश कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खास खबर

विधायक निधि से 16 शासकीय स्कूलों को मिले 25 कम्प्यूटर सिस्टम, विद्यार्थियों को मिलेगा डिजिटल शिक्षा का लाभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

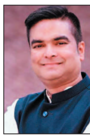

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक निधि से क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 25 कम्प्यूटर सिस्टम उपलब्ध कराए हैं। इन कम्प्यूटरों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक से जुड़ने, डिजिटल शिक्षा प्राप्त करने तथा कम्प्यूटर कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। आपको बता दें कि वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत 16 शासकीय विद्यालयों को कम्प्यूटर सिस्टम वितरित किए गए हैं। इनमें जुनवानी, सुपेला, कोहका, कोसा नगर, वैशाली नगर, कुरुद, रामनगर, वृंदा नगर, कैंप-1, कैंप-2, कृष्णा नगर, फरीद नगर सहित अन्य क्षेत्रों के विद्यालय शामिल हैं।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज के दौर में कम्प्यूटर शिक्षा समय की आवश्यकता है। सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी निजी विद्यालयों की तरह डिजिटल संसाधन उपलब्ध हों, इसी उद्देश्य से विधायक निधि से कम्प्यूटर प्रदान किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों की तकनीकी जानकारी बढ़ेगी और वे भविष्य की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं एवं रोजगार के अवसरों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि कम्प्यूटर सिस्टम मिलने से विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण मिलेगा तथा सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

इन विद्यालयों को मिले कम्प्यूटर सिस्टम

शासकीय हाई स्कूल जुनवानी, शासकीय कन्या उमावि सुपेला, गुरु घासीदास शासकीय उमावि कोहका, शासकीय उमावि सुपेला, शासकीय उमावि कोसानगर, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जुनवानी, शासकीय कन्या उमावि वैशाली नगर, शासकीय उमावि कुरुद, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय हाउसिंग बोर्ड, शासकीय उमावि मुक्तिधाम रामनगर, शासकीय उमावि वृंदानगर, शासकीय उमावि कैंप-1, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जेपी नगर कैंप-2, शासकीय हाई स्कूल कैंप-2, शासकीय हाई स्कूल कृष्णा नगर सुपेला, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय फरीद नगर।

लायंस क्लब पिनेकल ने शहीद परिवारों का किया सम्मान, शॉल और उपहार देकर जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लायंस क्लब भिलाई पिनेकल द्वारा शहीद कौशल दिवस के अवसर पर पिनेकल ऑफिस में गरिमामयी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान देश की सेवा में प्राण न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों के परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में उपस्थित शहीद परिवारों को क्लब की ओर से शॉल ओढ़ाकर भावभीना सम्मान दिया गया। साथ ही उन्हें उपहार भी भेंट किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए क्लब की प्रेसिडेंट लायन शालिनी सोनी, चार्टर प्रेसिडेंट लायन विभा भूटानी और रीजन ऑफिसर लायन अंजना विनायक ने कहा कि शहीदों का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। लेकिन उनके परिवारों के साथ खड़े रहना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने शहीद परिवारों के त्याग और बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर पास्ट प्रेसिडेंट लायन रश्मि लखोटिया, लायन रविका बेदी, लायन मीना सिंह, लायन उमिर्ला टावरी, वाइस प्रेसिडेंट प्रिया रस्तोगी, वाइस प्रेसिडेंट रश्मी गेडाम, लायन शोभा डोगरा, लायन अंजना श्रीवास्तव एवं लायन डॉ. अचर्ना झा सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टरेट परिसर में 50 लाख की लागत से पेविंग ब्लॉक कार्य का महापौर अलका ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद रामचंद्र सेन, युवराज कुंजाम, खिलावन मटियारा, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता मोहित मरकाम एवं विभागीय अधिकारियों के साथ कलेक्टरेट परिसर में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे पेविंग ब्लॉक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति तथा तकनीकी मानकों का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि कलेक्टरेट परिसर प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिकों के आवागमन का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में परिसर का व्यवस्थित, सुरक्षित एवं आकर्षक होना आवश्यक है। पेविंग ब्लॉक निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि परिसर की सुंदरता और सुविधाओं में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए।

महापौर ने विशेष रूप से जल संरक्षण पर जोर देते हुए परिसर में वॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) संरचना विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक शासकीय परिसर में वर्षा जल संचयन की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि भू-जल स्तर में वृद्धि हो तथा जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य के साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग की समुचित योजना तैयार कर उसे शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने पेविंग ब्लॉक निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया तथा निर्माण की गुणवत्ता एवं कार्य की प्रगति को संतोषजनक पाया। उन्होंने अधिकारियों को इसी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम केवल विकास कार्य कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को भी समान प्राथमिकता दे रहा है। सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, दीघर्कालिक उपयोगिता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण का समावेश किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन जैसी व्यवस्थाएं भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि कलेक्टरेट परिसर में स्वीकृत राशि से निर्धारित मापदंड के अनुसार पेविंग ब्लॉक निर्माण कराया जा रहा है। महापौर के निर्देशानुसार परिसर में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, जिससे वर्षा के पानी का संरक्षण हो सके और परिसर पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक आदर्श मॉडल बन सके। विभाग द्वारा कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

महापौर परिषद की बैठक, रिसाली निगम बढ़ाएगा अपना संसाधन

रिसाली। महापौर शशि सिन्हा ने नगर निगम रिसाली का संसाधन बढ़ाने का फैसला लिया है। उन्होंने महापौर परिषद की बैठक में सक्शन कम जेटिंग मशीन, हॉपर टिपर, डम्फर और ई कार्ट खरीदने पर मुहर लगाई है। परिषद की बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। आमतौर पर रिसाली निगम को बड़े सेप्टिक टैंक की सफाई करने सक्शन मशीन के लिए दूसरे निकाय पर निर्भर रहना पड़ता था। अब रिसाली के पास खुद का वाहन होगा। शुक्रवार निर्णय लिया गया कि तीन-तीन हजार लीटर क्षमता वाले दो वाहन की खरीदी की जाऐगी। सक्शन मशीन के साथ तीन हजार लीटर की जेटिंग सुविधा भी रहेगी। इसके अलावा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए 33 नग ई कार्ट की भी खरीदी की जाएगी। यही नहीं हॉपर टिपर डम्फर 2 नग खरीदने का अंतिम निर्णय लिया गया। महापौर परिषद के सद्स्यों का कहना था कि संसाधन बढ़ने से दूसरे निकाय पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। बैठक में महापौर परिषद के सद्स्य जहीर अब्बास, सनीर साहू, अनिल देशमुख, संजू नेताम, रोहित धनकर, ममता यादव, रंजीता बेनुआ, जमुना ठाकुर के अलावा आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे।

स्वर सम्राट रफी साहब की 46वीं पुण्यतिथि पर 30 जुलाई को संगीतमय श्रद्धांजलि

संजय लारोकर देंगे हुबहू आवाज में प्रस्तुति, महापौर अलका बाघमार होंगी मुख्य अतिथि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय सिनेमा के स्वर सम्राट पद्मश्री मोहम्मद रफी साहब की 46वीं पुण्यतिथि पर दुर्ग में भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि संध्या का आयोजन किया जाएगा। द वॉइस ऑफ दुर्ग सिटी रफी फाउंडेशन द्वारा 30 जुलाई 2026को सायं 6:30 बजे तकिया पारा स्थित मुस्लिम सराय में यह कार्यक्रम होगा।

रफी के अमर गीतों से गूंजेगा मंच: कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध गायक श्री संजय लारोकर और उनकी टीम की प्रस्तुति रहेगी। संजय लारोकर अपनी सुमधुर और हुबहू रफी साहब जैसी आवाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी गायकी सुनकर श्रोताओं को लगेगा मानो स्वयं रफी साहब मंच पर गा रहे हों। इस संध्या में रफी साहब के कालजयी गीतों के साथ हिन्दी सिनेमा के स्वर्णिम युग के चुनिंदा सदाबहार गीत भी पेश किए जाएंगे। प्रेम, भक्ति, देशभक्ति, विरह और हास्य हर भाव को छूने वाले रफी साहब के गीतों के जरिए संगीत प्रेमियों को एक अविस्मरणीय अनुभव मिलेगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दुर्ग नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार होंगी। महापौर पद संभालने के बाद उन्होंने शहर में सांस्कृतिक और संगीतमय आयोजनों को लगातार प्रोत्साहित किया है। विशिष्ट अतिथियों में समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा मिश्रा और सेवानिवृत्त उपवन मंडला अधिकारी अब्दुल वहिद खान शामिल होंगे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ शासन के खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा माननीय राकेश पाण्डेय और वैशाली नगर विधायक माननीय रिकेश सेन की गरिमामयी उपस्थिति भी कार्यक्रम में रहेगी।

संगीत से मिलेगा सुकून : द वॉइस ऑफ दुर्ग सिटी रफी फाउंडेशन के सचिव जाहिद अली ने सभी संगीत प्रेमियों और नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा, "आज की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में मधुर संगीत मन को शांति और ऊर्जा देता है। संजय लारोकर की आवाज सुनकर श्रोता कुछ पलों के लिए अपनी व्यस्तता भूलकर संगीत के स्वर्णिम संसार में खो जाएंगे। यह कार्यक्रम केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि मन-मस्तिष्क और आत्मा को सुकून देने का प्रयास है।"

फाउंडेशन ने बताया कि रफी साहब की आवाज आज भी करोड़ों दिलों में जीवित है और इस संध्या के माध्यम से नई पीढ़ी को भी उनके गीतों से रूबरू कराने का उद्देश्य है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' के तहत किया भव्य पौधरोपण

एनसी और स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत सरकार के जनभागीदारी आधारित पर्यावरण अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' के अंतर्गत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग में रविवार को भव्य पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनसी तथा स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विद्यालय परिसर में पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मिस ग्लैम छत्तीसगढ़ हेमा सक्सेना रहीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि वे स्वयं केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी की छात्रा रही हैं। केंद्रीय विद्यालय के संस्कार और अनुशासन उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करें और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें।

"प्रकृति माँ की तरह हमारी रक्षा करती है"

विद्यालय की उप प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि हर विद्यार्थी जीवन में कम से कम एक पौधे का संरक्षण करे तो हरित और स्वच्छ भारत का सपना शीघ्र साकार होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को वृक्षों को परिवार का सदस्य मानकर उनकी देखभाल करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. अजय आर्य ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है। यह माँ के प्रति सम्मान और कृतज्ञता को प्रकृति सेवा से जोड़ने का राष्ट्रीय संकल्प है। जिस प्रकार माँ जीवन और संरक्षण देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी हमें प्राणवायु, छाया और जल संरक्षण देते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि हेमा सक्सेना, उप प्राचार्य पुष्पा बड़ा और एनसी अधिकारी एम. के. भारद्वाज ने विद्यार्थियों को पौधे भेंट किए। विद्यार्थियों को निर्देश दिए गए कि वे पौधों को घर या आसपास लगाकर उनकी देखभाल करें। कार्यक्रम में एस. के. राय, तरुणा संकरी, श्रद्धा और क्षमा जायसवाल का विशेष योगदान रहा। अभिभावकों की ओर से शीतल सोनी, एन. के. पटेल और आशीष साहू सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अधिकाधिक वृक्षारोपण और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

नराकास के तत्वावधान में सेल-सीईटी द्वारा प्रश्नोत्तरी स्पर्धा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सेल-सीईटी प्रतिबद्ध

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर राजभाषा कार्यालय समिति, भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में सेल-सीईटी द्वारा 24 जुलाई को भिलाई इस्पात संयंत्र, मानव संसाधन विकास केंद्र के भूतल स्थित सभागार में नराकास स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी, सेल-सीईटी सौरभ कुमार राजा थे। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण मंजू हरिदास, पारमिता महान्ति, एके श्रीवास्तव, एसके.देशमुख, तरुण कुमार, विनय कुमार, पुनीत चौबे, संदीप कुमार, उप महाप्रबंधक धीरज शाह, सहायक महाप्रबंधक गोपी कृष्णन, सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय हिंदी अधिकारी दयानंद साहू, वरिष्ठ प्रबंधक आई. वेंकटेश, नितिन चौबे तथा नराकास, भिलाई-दुर्ग की ओर से उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन-राजभाषा) भिलाई इस्पात संयंत्र जितेन्द्र दास मानिकपुरी उपस्थित थे।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पर जोर

मुख्य अतिथि सौरभ कुमार राजा ने सेल-सीईटी के राष्ट्र निर्माण में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रतिवर्ष नराकास स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। आयोजन की निरंतरता बनाए रखने के लिए संस्थान संकल्पित है।

महाप्रबंधक पारमिता महान्ति ने स्वागत उद्बोधन में आयोजन के उद्देश्यों और सेल-सीईटी द्वारा हिंदी प्रचार-प्रसार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। विशेष आमंत्रित अतिथि जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा की अनिवार्यता, संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण, राजभाषा के सांविधिक प्रावधान और राष्ट्र विकास में हिंदी के महत्व पर जानकारी साझा की। सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय हिंदी अधिकारी दयानंद साहू ने प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से बताया।

प्रश्नोत्तरी में 50 प्रश्न, विजेताओं को किया सम्मानित : प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों से संबंधित 50 प्रश्न पूछे गए। नराकास के सदस्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

परिणामः प्रथमः प्रमोद कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक, आर.डी.सी.आई.एस., द्वितीयः धर्मेन्द्र कुमार, इंजीनियरिंग एसोसिएट, पावर एण्ड ब्लोइंग स्टेशन, भिलाई इस्पात संयंत्र और तृतीयः टी. ईश्वर, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट, कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र रहे। प्रोत्साहन पुरस्कारः ग्लोरी एस. पारकर, सेक्शन ऑफिसर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, भिलाई इस्पात संयंत्र, अभिषेक साहू, इंजीनियरिंग एसोसिएट, बार एण्ड रॉड मिल, भिलाई इस्पात संयंत्र, सोनल श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबंधक, रिसर्च एण्ड कंट्रोल लेबोरेटरी, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं हरीश कुमार देवांगन, इंजीनियरिंग एसोसिएट, मार्स-2, भिलाई इस्पात संयंत्र।

कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित वक्ता के रूप में सीनियर डायटीशियन पारोमिता दासगुप्ता ने "जीवनशैली जनित बीमारियों" पर सारगर्भित प्रस्तुति दी, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन दयानंद साहू ने किया। धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक पुनीत चौबे ने प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतियोगिता के समन्वय के लिए नराकास सचिवालय को श्रेय देते हुए कहा कि सदस्य संस्थानों के समर्पण से नराकास, भिलाई-दुर्ग राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में सदैव उच्च क्रम में रहेगा।

अश्लील हरकत का आरोप, डॉक्टर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने गए 10वीं के छात्र से अश्लील हरकत हुई है। बोरसी स्थित एडॉप्शन सेंटर के डॉक्टर सुधीर हिसीकर (61) ने जांच के दौरान लड़के के प्राइवेट पार्ट को टच किया और उसे गले लगाया। इस आरोप के बाद पुलिस ने डॉक्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है।

आरोप डॉक्टर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। वह सेवा भारती मातृ छाया एडॉप्शन सेंटर का संचालक भी है। घटना भी इसी सेंटर की है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग को सेंटर की जांच करने और उसका पंजीयन रद्द करने के निर्देश दिए हैं। इस सेंटर से विदेश समेत कई राज्यों में 12 बच्चों को गोद दिया जा चुका है। आरोपी डॉक्टर सुधीर मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला है। उसने आयुर्वेद चिकित्सा की डिग्री (बीएएमएस) प्राप्त की है। उनकी पत्नी भी डॉक्टर हैं और ग्राम अंडा में संविदा पर पदस्थ हैं। इसके साथ ही पति-पत्नी सेवा भारती मातृ छाया एडॉप्शन सेंटर का भी संचालन करते हैं।

पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार (24 जुलाई) दोपहर की है। 10वीं कक्षा का एक छात्र अपने दोस्त का मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए बोरसी स्थित एडॉप्शन सेंटर पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान डॉक्टर सुधीर हिसीकर ने उसके साथ अश्लील हरकत की। छात्र किसी तरह वहां से निकलकर घर पहुंचा और परिवार वालों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन छात्र को लेकर पद्मनाभपुर थाना पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी डॉक्टर से पूछताछ की।

जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले दिव्यांशु देवांगन का वित्त मंत्री चौधरी ने किया सम्मान

निवास पहुंचकर दी बधाई, शॉल-श्रीफल एवं रामचरितमानस भेंट कर बढ़ाया उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जूनियर वर्ल्ड कप के 10 मीटर एयर राइफल (मिक्स्ड डबल) स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन के निवास पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की और संवाद किया।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दिव्यांशु देवांगन को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उन्हें रामचरितमानस की प्रति भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और अथक मेहनत के बल पर विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। उनकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश और विशेष रूप से रायगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

श्री चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि दिव्यांशु आने वाले समय में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के लिए अनेक गौरवपूर्ण उपलब्धियां हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। दिव्यांशु देवांगन ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

वित्त मंत्री चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कांस्य पदक विजेता झंडू कुमार को दी बधाई

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर श्री झंडू कुमार जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर झंडू कुमार जी ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और अदम्य आत्मविश्वास का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए पहला पदक जीतना पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह सफलता देश के युवा खिलाड़ियों और दिव्यांग खिलाड़ियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए नई प्रेरणा प्रदान करेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के लिए अनेक पदक जीतेंगे। उन्होंने झंडू कुमार जी को इस शानदार उपलब्धि के लिए पुनः बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

खास खबर

हर घर तिरंगाह्न अभियान की केंद्रीय समिति में अनुराग सिंह देव शामिल, सांसद रूपकुमारी को भी मिली जगह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान के सफल संचालन, समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित केंद्रीय समिति में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनके साथ महासमुंद सांसद एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी को भी समिति में स्थान मिला है। अनुराग सिंह देव का केंद्रीय समिति में चयन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी को और सशक्त बनाएगा तथा अभियान को नई ऊर्जा और प्रभावशीलता प्रदान करेगा।

यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है तथा प्रदेश में संगठनात्मक नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित कार्यशैली का सम्मान है। केंद्रीय समिति का संयोजन भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व में किया जाएगा, जिसमें कई वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हैं। 11 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक देशभर में आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान के अंतर्गत घर-घर तिरंगा फहराने, तिरंगा यात्राएं निकालने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रधान का इस्तीफा नैतिकता नहीं, राजनीतिक मजबूरी - कांग्रेस, दीपक बैज ने पीएम मोदी से भी मांगा इस्तीफा

रायपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने तीखा हमला किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रधान का इस्तीफा नैतिकता के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक मजबूरी में हुआ है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जारी प्रेस विज्ञप्ति में दीपक बैज ने कहा कि यदि भाजपा और धर्मेन्द्र प्रधान में नैतिकता होती तो मार्च में नीट पेपर लीक होने के समय ही इस्तीफा हो जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नीट मामले को दबाने और युवाओं के अधिकारों को कुचलने का काम किया। जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी और देशभर के छात्रों ने दबाव बनाया, तब मजबूरी में इस्तीफा आया।

प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग : दीपक बैज ने कहा कि पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ आम जनता का विरोध बढ़ रहा है। जंतर-मंतर से लेकर हर शहर में छात्र-युवा आंदोलन कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री अपनी विफलता स्वीकार करें और तत्काल पद से इस्तीफा दें। किसी प्रधानमंत्री के खिलाफ युवाओं में ऐसा आक्रोश पहली बार देखा जा रहा है।"

पेपर लीक को बताया राष्ट्रीय महामारी : कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक अब राष्ट्रीय महामारी का रूप ले चुका है। मोदी सरकार के कार्यकाल में अब तक 150 से अधिक पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। लेकिन अब तक एक भी दोषी को सजा नहीं मिली। उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी पांच साल तक रोज 10 घंटे पढ़ाई कर तैयारी करते हैं और आर्थिक बोझ झेलते हैं। हर साल लगभग 9 करोड़ अभ्यर्थी केवल 6 लाख सरकारी नौकरियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि सरकार को छात्रों की पीड़ा समझनी चाहिए और जवाबदेही तय करनी चाहिए।

बड़े विद्युत संकट में 32 मिनट में पहुंचेगी स्टार्ट-अप पावर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को तुरंत बहाल करने की तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज ने ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया। ड्रिल के दौरान बांगो जल विद्युत गृह से स्टार्ट-अप पावर को 32 मिनट में कोरबा ताप विद्युत संयंत्र तक पहुंचाया गया। वहीं पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया 41 मिनट में पूरी की गई।

कैसे हुआ अभ्यास

मॉक ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली और कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को अलग कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम बनाया गया। इसके बाद उत्पादन और विद्युत भार को नियंत्रित रूप से घटाकर पूरे सिस्टम को ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया।

इसके बाद बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर की मदद से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सिंक्रोनाइज किया गया। चरणबद्ध तरीके से हसदेव और जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।

अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक आपूर्ति का विस्तार किया गया। जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ने के साथ बांगो इकाई-1 का उत्पादन भी बढ़ाया गया। अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफल सिंक्रोनाइजेशन किया गया और सभी उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुनः स्थापित कर दी गई।

बांगो की अहम भूमिका

बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 340 मेगावाट है। बड़े ग्रिड व्यवधान या पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यही संयंत्र अन्य उत्पादन इकाइयों के पुनर्संचालन के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पावर उपलब्ध कराता है।

अधिकारी रहे मौजूद

ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की।

इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक सी. एल. नेताम, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की मुख्य अभियंता शारदा सोनवानी, अधीक्षण अभियंता संजय चौधरी और अभिषेक जैन सहित ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी कर्मी मौजूद रहे।

शुल्क वृद्धि गरीब छात्रों पर अत्याचार : कांग्रेस, वंदना राजपूत ने स्कूल-कॉलेज की फीस वृद्धि वापस लेने की मांग की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस ने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शुल्क वृद्धि को गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अत्याचार बताया है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने इसे शिक्षा को कमाई का जरिया बनाने का प्रयास करार दिया।

वंदना राजपूत ने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में शुल्कों में भारी वृद्धि से लाखों छात्रों के सामने शिक्षा जारी रखने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि रविशंकर विश्वविद्यालय में परीक्षा और नामांकन शुल्क 46 प्रतिशत तक बढ़ा दिए गए हैं। साथ ही हर साल 5 प्रतिशत शुल्क वृद्धि का छात्र विरोधी निर्णय लिया गया है।

बोर्ड परीक्षा फीस में भी बड़ा इजाफा

कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के आने के बाद हर विभाग को वसूली केन्द्र बनाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा फीस में भारी बढ़ोतरी की है।

नियमित परीक्षा शुल्क 280 रुपये से बढ़ाकर 480 रुपये, मार्कशीट फीस 100 से 200 रुपये और प्रायोगिक परीक्षा शुल्क 80 से 120 रुपये प्रति विषय कर दिया गया है। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में ट्यूशन, विकास शुल्क और खेल, विज्ञान, निर्धन छात्र सहायता जैसी निधियों में भी बढ़ोतरी की गई है। इससे छात्रों पर वार्षिक बोझ कई गुना बढ़ गया है।

"सरकार संवैधानिक दायित्व से पीछे हट रही"

वंदना राजपूत ने कहा कि निजी स्कूल-कॉलेज पहले से ही सरकार के नियंत्रण से बाहर हैं, अब सरकारी संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों से भी अनुचित वसूली की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नहीं चाहती कि गरीब का बच्चा पढ़-लिख पाए।

उन्होंने कहा कि फीस विनियामक आयोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है। प्रभावित वर्गों से चर्चा किए बिना मनमाने तरीके से शुल्क बढ़ाना अन्यायपूर्ण है। कांग्रेस ने शुल्क वृद्धि का फैसला तत्काल वापस लेने की मांग की है।

रायपुर यातायात पुलिस का सख्त अभियान : 6 माह में 2352 लाइसेंस हुए निलंबित

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2164 चालकों पर सबसे बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस रायपुर ने वर्ष 2026 के पहले छह माह में यातायात नियमों के गंभीर उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया। अभियान के तहत नियमों की अनदेखी कर लोगों के जीवन को खतरे में डालने वाले 2352 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2025 में पूरे साल की गई कुल 2065 लाइसेंस निलंबन कार्रवाई से 287 अधिक है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर जीरो टॉलरेंस

पुलिस के अनुसार नशे की हालत में वाहन चलाने को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण मानते हुए इस पर सबसे कड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 2164 चालकों के लाइसेंस निलंबित किए गए।

इसके अलावा निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले 167 और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले 21 चालकों के लाइसेंस भी निलंबित किए गए।

नियमों का पालन करें : डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना

डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा ने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करें।

उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि स्वयं, परिवार और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है। यातायात पुलिस द्वारा गंभीर उल्लंघनों के विरुद्ध भविष्य में भी निरंतर और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

आरक्षक ने थाना परिसर के बैरक में किया सुसाइड

सक्ती। जिले के हसौद थाना से एक दुखद खबर सामने आई है। थाना में पदस्थ आरक्षक जय लहरें ने थाना परिसर स्थित बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरक्षक का शव बैरक की ऊपरी मंजिल पर फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हसौद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सक्ती जिले के हसौद थाना में पदस्थ आरक्षक जय लहरें ने शनिवार को थाना परिसर की ऊपरी मंजिल स्थित बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब साथी पुलिसकमिर्यो ने उनका शव फंदे से लटका देखा तो तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई।

भारत भाग्य विधाता फिल्म के लेखक-निर्देशक मनोज तापड़िया व फिल्म निर्माता आदि शर्मा ने की छग टूरिज्म बोर्ड के एमडी विवेक से मुलाकात

चित्रोत्पला फिल्म सिटी के विकास, फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण के आकर्षक गंतव्य के रूप में विकसित करने पर हुई विस्तृत चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड में चित्रोत्पला फिल्म सिटी के विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। रायपुर में आयोजित इस बैठक में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य से भारत भाग्य विधाता फिल्म के डायरेक्टर मनोज तापड़िया तथा फिल्म निर्माता आदि शर्मा ने सौजन्य भेंट कर राज्य में विकसित की जा रही चित्रोत्पला फिल्म सिटी की अवधारणा, उसकी संभावनाओं तथा भविष्य की काययीजना पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि छत्तीसगढ़ की अनुपम प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरें, जलप्रपात, वन क्षेत्र, जनजातीय संस्कृति तथा विविध प्राकृतिक लोकेशन राज्य को फिल्म निर्माण के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाते हैं। इन विशेषताओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर राज्य को फिल्मांकन का आकर्षक गंतव्य बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

चर्चा के दौरान चित्रोत्पला फिल्म सिटी को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक ऐसे समग्र फिल्म परिसर के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया, जहाँ फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ उपलब्ध हों। साथ ही फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने, राज्य में फिल्म निर्माण गतिविधियों का विस्तार करने तथा इस क्षेत्र में निजी और संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर भी विस्तार से मंथन हुआ।

प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास छत्तीसगढ़ के फिल्म और पर्यटन क्षेत्र के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। इससे राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी, फिल्म निर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी तथा स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों, रचनात्मक युवाओं और फिल्म से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए रोजगार एवं कौशल विकास के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग के विकास से पर्यटन, आतिथ्य, परिवहन, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों को भी व्यापक लाभ मिलेगा, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी।

बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि छत्तीसगढ़ को एक उभरते हुए फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए फिल्म उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों, निर्माताओं और निर्देशकों के साथ निरंतर संवाद एवं सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य की प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक विविधता और विकसित की जा रही आधुनिक फिल्म अवसंरचना के समन्वय से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे। बैठक में चित्रोत्पला फिल्म सिटी के विकास, फिल्म पर्यटन के विस्तार तथा भविष्य में फिल्म निर्माण और पर्यटन संवर्धन के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग की व्यापक संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की गई।

संपादकीय

मेनस्ट्रीम टीवी मीडिया बनाम स्वतंत्र पत्रकारिता

जंतर-मंतर : जहां एक तरफ "गो बैक" के नारे, वहीं दूसरी तरफ मिला स्वागत
छात्रों का आरोप : टीवी चैनल आंदोलन को दबा रहे हैं, स्वतंत्र रिपोर्टर्स दिखा रहे सच

नई दृष्टिबिंदु / आलोक तिवारी

जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन में मीडिया के साथ होने वाले व्यवहार में जमीन पर साफ फर्क दिखाई दे रहा है। यहां कुछ पत्रकारों को भारी विरोध झेलना पड़ रहा है, तो कुछ स्वतंत्र रिपोर्टर्स का छात्रों द्वारा स्वागत किया जा रहा है।

मेनस्ट्रीम टीवी चैनलों पर छात्रों का गुस्सा

प्रदर्शन कर रहे छात्र बड़े टीवी चैनलों के ग्राउंड रिपोर्टर्स को रिपोर्टिंग नहीं करने दे रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि ये चैनल नीट पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे को या तो दबा रहे हैं या स्टूडियो में बैठकर आंदोलन को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका गुस्सा व्यक्तिगत रिपोर्टर्स से नहीं है, बल्कि उन चैनलों की पक्षपातपूर्ण नीति से है जो ग्राउंड की हकीकत दिखाने के बजाय आंदोलन को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। इसी नाराजगी में जब भी छात्र इन बड़े चैनलों के माइक या आईडी कार्ड देखते हैं तो "गोदी मीडिया गो बैक" के नारे लगने लगते हैं।

स्वतंत्र पत्रकारों का हो रहा स्वागत

इसके उलट सौरभ द्विवेदी, अजीत अंजुम, अभिनव पांडे और श्वेता जाया जैसे स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारों को छात्र बिल्कुल तंग नहीं कर रहे। बल्कि प्रदर्शनकारी आगे बढ़कर इनका स्वागत कर रहे हैं। सौरभ द्विवेदी अपनी टीम के साथ प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर आंदोलन के मुख्य चेहरों और छात्रों के विस्तृत इंटरव्यू ले रहे हैं। छात्रों का मानना है कि उनकी बात इनके जरिए गंभीरता से देश के सामने रखी जा रही है। अजीत अंजुम अपने स्वतंत्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पुलिसिया कार्रवाई और छात्रों के दर्द को बिना किसी दबाव के दिखा रहे हैं। 'न्यूज पिंच' के अभिनव पांडे पिछले 48 से 50 घंटों से लगातार प्रदर्शन स्थल पर डटे हैं और हर छोटी-बड़ी लाइव अपडेट दे रहे हैं। छात्रों ने उन्हें अपने संघर्ष का सच्चा साथी माना है। वरिष्ठ पत्रकार श्वेता जाया ने भी उस समय की निडर रिपोर्टिंग की जब प्रशासन द्वारा प्रदर्शनकारियों का मंच हटाया जा रहा था।

भरोसे की वजह : बिना एजेंडे की पत्रकारिता

छात्रों का कहना है कि ये सभी पत्रकार बिना किसी एजेंडे के निष्पक्षता से सच्चाई दिखा रहे हैं, इसलिए उन पर भरोसा अटूट है। जंतर-मंतर का यह विरोध केवल पेपर लीक के खिलाफ नहीं, बल्कि उस पत्रकारिता के खिलाफ भी एक संदेश बन गया है जो सत्ता के दबाव में आकर जमीन की आवाज को अनसुना करती है।

प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम है नंदनवन जंगल सफारी

320 .15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क, अशोक कुमार चंद्रवंशी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

नंदनवन जंगल सफारी नवाँ रायपुर में पर्यटकों के लिए कई प्रकार की रोमांचक सफारी राइड्स उपलब्ध हैं, जिनमें शाकाहारी सफारी, टाइगर सफारी, भालू सफारी और लायन सफारी प्रमुख हैं। इसके अलावा यहाँ एक छोटा चिड़ियाघर (नंदनवन जू) भी है। oछत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित नंदनवन जंगल सफारी राज्य के प्रमुख पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में शामिल है। 320 .15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह विशाल परिसर प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में वन्यजीवों को देखने और उनके बारे में जानने का अवसर मिलता है।

नंदनवन जंगल सफारी नवा रायपुर, मिनी जू से जंगल सफारी तक का सफर

नंदनवन की शुरुआत वर्ष 1979 में रायपुर में नंदनवन मिनी जू के रूप में हुई थी। यह वन्यजीवों के रेस्क्यू और राहत केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। वर्ष 2008 में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने इसे आधिकारिक रूप से मिनी जू की मान्यता दी। इसके बाद नवा रायपुर में आधुनिक और विशाल जंगल सफारी विकसित करने के लिए वर्ष 2012 से 2015 के बीच 320.15 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई। 1 नवंबर 2016 को छत्तीसगढ़ राज्य के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नंदनवन जंगल सफारी का उद्घाटन किया। 320.15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र

वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा पर विशेष जोर

नंदनवन जंगल सफारी का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों का संरक्षण, दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण एवं प्रजनन और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यहां वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप सुरक्षित और तनावमुक्त आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीवों तथा जैव विविधता के महत्व की जानकारी देने के लिए यहां विभिन्न पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

पांच प्रमुख सफारी जोन हैं आकर्षण का केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी को वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग जोन में विकसित किया गया है। 320.15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र

शाकाहारी सफारी

30.89 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस जोन में चीतल, सांभर, नीलगाय और काला हिरण जैसे वन्यजीव प्राकृतिक वातावरण में विचरण करते हैं।

भालू सफारी

20.03 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित भालू सफारी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां भालुओं को प्राकृतिक वातावरण में देखने का अवसर मिलता है।

बाघ सफारी

20.04 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली बाघ सफारी में पर्यटक देश के राष्ट्रीय पशु बाघ को करीब से देखने का रोमांचक अनुभव प्राप्त करते हैं।

सिंह सफारी

20.01 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित सिंह सफारी में एशियाई शेरों का संरक्षण किया जा रहा है।

जू जोन

50 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जू जोन में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी, सरीसृप और अन्य वन्यजीव आकर्षण का केंद्र हैं।

दुर्लभ और विशेष वन्यजीवों का भी संरक्षण

नंदनवन जंगल सफारी में विभिन्न चिड़ियाघरों के साथ पशु विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से कई दुर्लभ और विशेष वन्यजीवों को लाया गया है। यहां सफेद बाघ, दरियाई घोड़ा, घड़ियाल और क्लोन जंगली भैंसा दीपाशा जैसे वन्यजीव पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण हैं।

देश-विदेश से पहुंचते हैं पर्यटक

वनमंडलाधिकारी थेजस शेखर ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप की मंशानुरूप नंदनवन जंगल सफारी पर्यटकों के बीच लगातार लोकप्रिय हो रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2018-19 में ही देश-विदेश से 1 लाख 74 हजार 611, वर्ष 2019-20 में 1 लाख 60 हजार 767 ,वर्ष 2020-21 में 1 लाख 60 हजार 32, वर्ष 2021-22 में 1 लाख 73 हजार 72, वर्ष 2022-23 में 2 लाख 77 हजार 881, वर्ष 2023-24 में 2 लाख 62 हजार 486, वर्ष 2024-25 में 2 लाख 70 हजार 942, वर्ष 2025-26 में 3 लाख 24 हजार 785, से अधिक पर्यटकों ने जंगल सफारी का भ्रमण किया। यह आंकड़ा इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

जैव विविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता का केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, विश्व बाघ दिवस और वन्यजीव सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से लोगों, विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है।

रायपुर से आसान पहुंच

नंदनवन जंगल सफारी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित है। यह स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, रायपुर से लगभग 15 किलोमीटर और रायपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जंगल सफारी प्रत्येक सोमवार को बंद रहती है।

वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा का ऐसा अनूठा केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी आज छत्तीसगढ़ में पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा का ऐसा अनूठा केंद्र बन चुका है, जहां प्रकृति के करीब पहुंचकर वन्यजीवों को देखने के साथ-साथ उनके संरक्षण का संदेश भी मिलता है।

भाषाओं के पार.... की एक प्रेमकथा .....

शैलजा सिंह, कवयित्री, कहानीकार, गाजियाबाद

फेसबुक की भीड़ में लाखों चेहरे, हजारों शब्द, अनगिनत मुस्कुराहटें थीं। पर उमंग को नहीं पता था कि उन्हीं शब्दों के जंगल में एक दिन उसे ऐसी आवाज मिलेगी जो उसकी ज़िंदगी का सबसे मधुर और सबसे करुण गीत बन जाएगी।

उमंग दर्शनशास्त्र पढ़कर अब एक कंपनी में काम करता था। रात की थकान उतारने के लिए स्क्रॉल करना उसकी आदत थी। उसी आदत में एक दिन उसने अपनी वॉल पर लिखाः

"प्रेम मनुष्य की सबसे प्राचीन भाषा है। यह शब्दों से पहले जन्म लेती है और शब्दों के बाद भी जीवित रहती है। इसकी लिपि आँखों की नमी, चेहरे की मुस्कान, स्पर्श की ऊष्मा और मौन की गहराई है।"

कुछ देर बाद एक टिप्पणी आई — "खूब भालो लिखेछेन।"

उमंग ठिठक गया। बांग्ला उससे अपरिचित नहीं थी। बचपन में उसके घर के किराएदार एक बंगाली परिवार थे। उन्हीं से उसने "भालो", "आपन", "भालोबाशा" जैसे शब्द सीखे थे। वर्षों बाद "खूब भालो" पढ़कर लगा जैसे बचपन की कोई भूली हुई धुन फिर लौट आई हो।

वह टिप्पणी कोलकाता की मृणालिनी की थी। हिंदी टूटी-फूटी, पर संवेदनाएँ बिल्कुल निर्मल। विज्ञान पढ़ाने वाली शिक्षिका मृणालिनी की तस्वीरों में उमंग को सुंदरता से अधिक एक गहरा मौन दिखता। जैसे कोई नदी अपने भीतर कई मौसम समेटे बह रही हो।

धीरे-धीरे टिप्पणियाँ निजी संदेशों में बदल गईं। रातें लंबी होने लगीं। बातें सपनों, डर, बचपन और अधूरी इच्छाओं तक पहुँच गईं। दूरी थी, पर भ्रम था कि पास हैं।

मृणालिनी लिखती —

"उमंग, जानो... किछु मानुष एमोन कोरे आशे जे मोने होय बोछोर बोछोर धरे शुकिये थाका मोनेर उपोरे प्रथम बृष्टिर फोटा पोरेछे।"

उमंग उत्तर देता — "शायद प्रेम यही है... किसी के चेहरे से पहले उसकी आत्मा को महसूस करना।"

वह उसे हिंदी सिखाता — "विश्वास, आत्मीयता, समर्पण।"

वह उसे बांग्ला का एक शब्द लौटाती — "भालोबाशा।"

"भालोबाशा सिर्फ प्रेम नोय उमंग। भालोबाशा माने कारोर मोनेर एकटा छोटो ठाँव पावा। जेखाने भय नेइ, फैसला नेइ... बस अपनापन थाके।"

"जो इंसान तुम्हारी आँखों का पानी समझे, तुम्हारी चुप्पी पढ़े, तुम्हारे पुराने दर्द को स्वीकार करे... वही सच्चा भालोबाशा।"

मृणालिनी हिंदी सीखती गई। प्रेमचंद, महादेवी, बच्चन उसे अपने लगने लगे। एक दिन उसने लिखा — "आमी एक दिन हिन्दी ते आमार मोनेर कथा लिखबो। आमार कहानी, आमार दर्द, आमार सपना।"

फिर एक रात स्क्रीन पर देर तक सिर्फ "टाइपिंग..." दिखता रहा। और फिर आया —

"अगर मैं अपना सच बता दूँ, तो क्या तुम भी बाकी लोगों की तरह छोड़ दोगे?"

उमंग ने लिखा — "सच इंसान को छोटा नहीं करता। मैं तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में पाना चाहता हूँ।"

जवाब आया, काँपते हुए अक्षरों में —

"उमंग, आमी तोमार थेके किछु लुकाते चाइ ना। आमार मा देह-व्यापार कोरेन। एटा आमार लज्जा नोय, एटा आमार सत्य। आमार जन्म ओई अंधोकारे होयेछे, किन्तु आमी आलोर स्वप्नो देखेछि। आमी चाइ लोक आमाके आमार नामे डाकुक, आमार मायेर पेशार नामे नोय। जोदि एई सत्यो के स्वीकार कोरे आमार हाथ धोरो, ताहोले धोरो... आमार दया नोय, सम्मान चाइ।"

उमंग देर तक पढ़ता रहा। फिर लिखा —

"कोई बेटी अपने माता-पिता के पेशे की परिभाषा नहीं होती। समाज वंश पूछता है, समय कर्म याद रखता है। कीचड़ कमल का परिचय नहीं बनता। तुम अपने अतीत की कैदी नहीं, अपने भविष्य की रचयिता हो। दुनिया एक दिन तुम्हें तुम्हारे नाम से जानेगी।"

उस रात मृणालिनी पहली बार दया से नहीं, सम्मान से रोई थी।

पर प्रेम जितना सरल दो दिलों में होता है, समाज में उतना ही कठिन। जब उमंग के घर को पता चला तो तूफान आ गया। "वो इस घर की बहू नहीं बन सकती। लोग क्या कहेंगे? इज़्जत मिट्टी में मिल जाएगी।"

कई दिन न फोन, न संदेश। फिर एक दिन मृणालिनी का आखिरी संदेश आया —

"आमी तोमार थेके दूर कोरे जाच्छी। एटा आमार इच्छा नोय, एटा आमार प्रेमेर शेष परीक्षा। आमी जाच्छी कारण आमी तोमाके खोते चाइ ना। जे माँ तोमाके नौ मास कोले धोरे मानुष कोरलो, तार चोखे आमार कारोने जल आशुक... एटा आमी सहो कोर्ते पारबो ना।

तुमी आमाके प्रेम दाओनी, सम्मान दियेछो। एई सम्मान आमार शेष शम्बल।

जदि रातेर नीरबोताय आमार कथा मोने पड़े, आकाशेर दिके ताकियो... होतो आमार एक फोटा जल तारा होये तोमार काछे पोहुँछे जाबे।

पर जन्मे भगवान के बोलो... एमन एकटा परिवार दियो जेखाने प्रेम के अपराध बोला ना होय।

तुमी भालो थेको उमंग। आमी तोमार जीवन थेके जाच्छी, किन्तु तोमार भालो थाकार प्राथर्ना थेके कोनो दिन जाबो ना।"

संदेश "डिलीवर" हुआ और एक लंबी खामोशी उतर आई।

उमंग ने डायरी में लिखा — "आज जाना कि बिछड़ना मरना नहीं होता। पर जिसके साथ जीने के सपने देखे हों, उससे दूर होना हर दिन थोड़ा-थोड़ा मरने जैसा होता है। दुनिया की सबसे कठिन भाषा बांग्ला या हिंदी नहीं है। सबसे कठिन वह भाषा है जिसमें कोई इंसान दूसरे के प्रेम को समझे, उसके त्याग को महसूस करे, और उसके अतीत से नहीं, उसके दिल से उसका परिचय करे।"

दो लोग दूर हो गए। प्रेम नहीं।

वह एक अधूरी कहानी बन गई — जिसे पढ़ने वाला हर व्यक्ति बस इतना कहेगाः

"काश, प्रेम को समाज की परीक्षा न देनी पड़ती। काश, कुछ रिश्तों को सिर्फ दिल से स्वीकार किया जाता।"

क्योंकि सच्चा भालोबाशा कभी बाँधना नहीं चाहता। वह मुक्त करता है। और खुद दूर जाकर भी प्रिय के चेहरे पर हँसी देखना चाहता है।

सुरक्षा कवच था संयुक्त कुनबे का संबल : छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित हनीमून मर्डर केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे।

संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं।

विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में तलाक के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है।

हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन-सपंदा व भारी चमक-दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था कि जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा-दादी या नाना-नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे-नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे-बेटियों व पोते-पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता-पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख-दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था।

घर की सुरक्षा बनी रहती थी। बूढ़ी मां भले ही शारीरिक रूप से अक्षम होती, लेकिन भरोसा बना रहता था कि घर में मां तो है। पिता तो हैं। अब जब पति-पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है। दरअसल, आज परिवार में रिश्तों से बड़े अहम ? हो गए हैं। इगो का टकराव अकसर रिश्तों के बिखराव की वजह बनता है। कोई झुकने को तैयार नहीं होता है तो परिवार को टूटने से कौन रोकेगा? जाहिर है जो बात पति-पत्नी के बीच नहीं बनी, वो कोर्ट-कचहरी में क्या बनेगी? अलगाव का त्रास मनमुटाव से ज्यादा भयावह होता है। तभी तो अदालतों में तलाक की अर्जियों की संख्या दिन-दुगनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है।

कॉकरोच का आईना : जंतर-मंतर के छत्तीस दिन और व्यवस्था की विफलता से छत्तीस का आँकड़ा

शैलजा सिंह, कवयित्री और लेखिका गाजियाबाद

कहा जाता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी कक्षाओं में लिखा जाता है। विद्यालयों की दीवारों पर प्रेरक वाक्य, भाषणों में शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बताने वाले शब्द और नीतियों के दस्तावेज — सब यही कहते हैं कि विद्यार्थी देश की सबसे बड़ी पूँजी हैं। लेकिन जब वही विद्यार्थी अपने भविष्य की रक्षा के लिए कक्षाओं से निकलकर जंतर-मंतर की सड़कों पर बैठने को मजबूर हो जाएँ, तो यह केवल छात्रों की पीड़ा नहीं होती, यह पूरी व्यवस्था की परीक्षा होती है।

छत्तीस दिन का इंतजार, छत्तीस दिन का सवाल

छत्तीस दिन जंतर-मंतर पर बैठा संघर्ष केवल एक आंदोलन नहीं रहा। यह शिक्षा व्यवस्था के माथे पर लगा वह प्रश्नचिह्न है, जिसे मिटाने के लिए भाषण नहीं, संवेदनशील निर्णय चाहिए थे।

छत्तीस दिन इंतजार के,
छत्तीस दिन उम्मीद के,
छत्तीस दिन उस व्यवस्था से जवाब माँगने के, जो अक्सर सवाल पूछने वालों को ही धैर्य का पाठ पढ़ाती है।

छोटे समझे गए इस संघर्ष की गूंज ने सत्ता को बड़ी चेतावनी दी है। यह बता दिया कि सत्ता की ताकत कुर्सी से नहीं, जनता के विश्वास से आती है। और जब विश्वास डगमगाने लगता है, तो छोटी सी चिंगारी भी परिवर्तन की मशाल बन सकती है।

"कॉकरोच" वाली टिप्पणी और बड़ा सवाल

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूयर्कांत ने फर्जी डिग्रियों के सहारे कानून और अन्य पेशों में प्रवेश करने वालों पर चिंता जताते हुए उन्हें "कॉकरोच" कहा। यह टिप्पणी केवल कुछ व्यक्तियों की बेईमानी का प्रश्न नहीं उठाती, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर सवाल खड़ा करती है।

भारत को "फर्जी डिग्रियों वाला देश" क्यों कहा जाए?

क्यों ऐसे लोगों और उन संस्थानों पर समय रहते नकेल नहीं कसी जाती, जो शिक्षा के नाम पर धोखे का कारोबार चलाते हैं?

एक ओर लाखों विद्यार्थी वर्षों तक मेहनत और ईमानदारी से योग्यता साबित करते हैं, वहीं दूसरी ओर शॉर्टकट से नकली प्रमाणपत्र खरीदने वाले भी बच निकलते हैं। दोष केवल डिग्री लेने वाले का नहीं है। उन संस्थानों, दलालों और कमजोर निगरानी व्यवस्था पर भी कठोर कार्रवाई जरूरी है, जो इस तंत्र को जन्म देते हैं। क्योंकि शिक्षा केवल कागज की डिग्री नहीं, समाज के विश्वास की नींव है। यदि नकली प्रमाणपत्र असली मेहनत पर भारी पड़ने लगें, तो यह राष्ट्र की विश्वसनीयता का संकट है।

परीक्षा का दरवाजा बंद, व्यवस्था का दरवाजा खुला

एक छात्र कुछ मिनट देर से पहुंचे तो परीक्षा कक्ष का दरवाजा बंद हो जाता है। लेकिन यदि प्रश्नपत्र पहले ही बिक चुका हो, लाखों विद्यार्थियों के सपने लूट लिए गए हों, तो व्यवस्था के दरवाजे पर ताला क्यों नहीं लगता?

जिस उम्र में युवा को किताबों से संघर्ष करना चाहिए, उसी उम्र में उसे व्यवस्था की कमजोरियों से लड़ना पड़ रहा है। कॉकरोच को अक्सर कमजोर समझा जाता है, पर वह कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहता है। संघर्षरत विद्यार्थी भी कुछ ऐसे ही हैं — व्यवस्था की दरारों के बीच अपने सपनों को बचाए रखने की कोशिश में।

युवा पूछता है : मेरा भविष्य कब?

सरकारें शिक्षा को प्राथमिकता बताती हैं, डिजिटल शिक्षा और नए भारत के सपने दिखाती हैं। लेकिन जमीन पर खड़ा विद्यार्थी आज भी पूछता हैः

"मेरे भविष्य की कक्षा कब शुरू होगी?

मेरी मेहनत का परिणाम कब मिलेगा?

मेरे सपनों की परीक्षा आखिर कौन लेगा?" परीक्षाएँ कब नियमित होंगी? नियुक्तियाँ कब समय पर होंगी? शिक्षा के मंदिरों में खाली पड़े पद कब भरेंगे? विडंबना यह है कि एक युवा वर्षों पढ़ाई करता है, डिग्रियाँ हासिल करता है, लेकिन नौकरी की प्रतीक्षा में उसकी जवानी बीत जाती है। जिस उम्र में उसे बच्चों को पढ़ाना चाहिए, उसी उम्र में वह भर्ती कैलेंडर और नियुक्ति पत्र का इंतजार करता है। यह केवल एक विद्यार्थी की पीड़ा नहीं, पूरी पीढ़ी की व्यथा है जो कह रही है — "हमें अवसर दीजिए, केवल आश्वासन नहीं। समय पर निर्णय दीजिए, केवल तारीखें नहीं। क्योंकि युवा की उम्र लौटकर नहीं आती।"

जंतर-मंतर : व्यवस्था के सामने खुली किताब

लोकतंत्र केवल चुनावों का उत्सव नहीं है। लोकतंत्र वह संवेदना है जहाँ सत्ता जनता की आवाज सुनती है, विशेषकर उन युवाओं की, जिनके हाथों में देश का कल है।

जंतर-मंतर पर बैठे छात्रों ने मानो व्यवस्था के सामने एक खुली किताब रख दी हो। उस किताब में कोई राजनीतिक नारा नहीं, एक पीढ़ी की बेचैनी लिखी है।

जिस देश में शिक्षा को मंदिर कहा जाता है, वहाँ विद्यार्थी अपने भविष्य की रक्षा के लिए सड़क को विद्यालय बनाने को विवश हों, तो यह केवल आंदोलन नहीं। यह शिक्षा व्यवस्था का मौन रिपोर्ट कार्ड है।

आत्ममंथन का समय

छत्तीस दिनों की यह तपस्या आने वाली पीढ़ियों के लिए संदेश है। लोकतंत्र में असली ताकत सिंहासन में नहीं, बल्कि उन जागती आँखों में होती है जो अपने भविष्य के लिए सवाल पूछने का साहस रखती हैं।

इतिहास गवाह है — सत्ता के गलियारों में जब भी आवाजों को अनसुना किया गया, सड़क पर खड़ा एक जागरूक युवा भी पूरे तंत्र को आईना दिखा देता है। तख्त बदलते हैं, चेहरे बदलते हैं, लेकिन जनता की चेतना की अगुवाई हमेशा नए अभिजीतों के हाथों में आती रहती है।

शिक्षा का मंदिर तभी पवित्र रहेगा, जब योग्यता का सम्मान होगा और धोखे के लिए कोई जगह नहीं होगी।

अंदर की बात

-:: खुलकर ::-
यशवंत साहू
फाउंडर भिलाई टाइम्स

ACB का खौफ, निकाय चुनाव में "बघवा', वर्दी पर दाग

CG में CJP का खौफ, निकल गई शिक्षक भर्ती:
देश के युवाओं ने सरकार को झुका दिया। दिल्ली के जंतर-मंतर में हुए सीजेपी के आंदोलन से सब वाकिफ है। इसका खौफ छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल रहा है। सरकार के कई मंत्री घबराए हुए हैं। उन्हें डर है कि युवा उनके डिपार्टमेंट के पेंडिंग कामों पर गौर न करे। वरना ऐसा आंदोलन हुआ तो मुश्किलें बढ़ जाएगी। दिल्ली आंदोलन के बीच में युवाओं को साधने के लिए अचानक सहायक शिक्षक भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया। हालांकि, युवा इसके इंतजार में थे, लेकिन अचानक भर्ती नोटिफिकेशन ने सीजेपी के खौफ का नाम दे दिया। हालांकि, प्रदेश के शिक्षा मंत्री इस भर्ती के लिए बेहद गंभीर थे। उन्होंने नियमावली में ऐसा बदलाव किया है कि युवा इससे खुश है। क्योंकि, ये भर्ती अब कोर्ट में अटकना नहीं चाहिए। यही उनकी कोशिश है। इसके लिए प्रदेशभर के युवा शिक्षामंत्री का आभार तक मान रहे हैं।

शराब दुकानों में नौकरी की रिश्वत:
प्रदेश की शराब दुकानों में काम करने वाले वर्कर्स आउटसोर्स वाले हैं। इस काम में गजब की वसूली होती है। इस काम को वही लोग करते हैं, जिनकी प्रदेश में सरकार होती है। इसीलिए जमकर भ्रष्टाचार और वसूली कॉमन है। एक लड़के से 50 से 70 हजार रुपए वसूल किए जाते हैं। ये बात सब जानते हैं। लेकिन मजा तो एड़ा बनकर पेड़ा खाने में ही है। भिलाई-दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर में गजब स्कैम सामने आया है। लड़कों से नौकरी लगाने के नाम पर वसूली की गई है। पार्टी से जुड़े लोगों के करीबियों का जलजला है। थोक के भाव में वसूली कर ली गई है, लेकिन नौकरी नहीं मिली। आबकारी विभाग के अधिकारी भी इसमें अपना मोटा कमीशन मांगते हैं।

सरकारी महकमे में गजब का ACB-EOW:
शोले फिल्म का एक डॉयलॉग है। सो जा बेटा, वरना गब्बर आ जाएगा। कुछ ऐसी ही स्थिति सरकारी महकमे में इन दिनों है। प्रदेश की सबसे भरोसेमंद जांच एजेंसी एसीबी, ईओडब्ल्यू है। इसके चीफ है 2005 बैच के आईपीएस अमरेश मिश्रा। दबंग है, तेज हैं। इस साल उनके डिपार्टमेंट ने रिकॉर्ड बनाया है। पहले तो आरआई, पटवारी पकड़ाते थे। अब अधिकारी भी पकड़े जा रहे हैं। बाकी वर्षों की अपेक्षा इस साल एसीबी, ईओडब्ल्यू ने शानदार काम किया है। धांधली की चासनी में डूबे रहने वाले के लिए खतरा बनकर उभरे हैं चीफ साहब। राजस्व से लेकर पुलिस डिपार्टमेंट में सबसे ज्यादा रिश्वतखोरी के मामले सामने आए हैं। इसीलिए साहब का खौफ सरकारी महकमे में है। लोग कहते हैं कि, भ्रष्टाचार तो बहुत है। मगर बात को पहुंचाना कैसे है? ये बहुतों को नहीं पता। इसलिए लोगों की ओर से डिमांड आ रही है कि शिकायत नंबर होना चाहिए।

निकाय चुनाव में छत्तीसगढ़ियावाद:
छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने बैठकें शुरू कर दी है। जेल से छूटने के बाद अमित बघेल प्रदेशभर का शेड्यूल रेडी करा रहे हैं। लोगों की डिमांड आ रही है कि एक बार अमित भैया उनके क्षेत्र में आ जाए। इस साल नवंबर-दिसंबर में चुनाव संभव है। चुनाव की तैयारी शुरू हो गई। क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल बैठक लेकर चार्ज कर रहे हैं। साफ है कि नगर निगम भिलाई, रिसाली निगम, चरोदा निगम में निर्दलीय हो या पार्टी का सिंबॉल के साथ प्रत्याशी मैदान में उतारने वाले हैं। अभी से राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ गई है। यानी कि मुकाबला इस बार और भी दिलचस्प होगा।

वर्दी पर फिर दाग...
रायपुर के एक पुलिस आरक्षक ने पूरे डिपार्टमेंट को बदनाम कर रखा है। अब उनके बदनामी की जांच होने वाली है। वरिष्ठ आईपीएस ने इसकी जांच का जिम्मा कमेटी को दिया है। अब बहुत जल्द जांच होगी और आरक्षक का टर्मिनेशन फिक्स है। अब आपके मन में सवाल होगा कि ऐसे पुलिस कर्मचारियों को कब तक बचाएंगे? लेकिन इस बार सख्त आईपीएस जांच कर रहे हैं। कार्रवाई दिख भी रही है। चलिए उनके बारे में थोड़ा बात कर लेते हैं। वाहन शाखा डिपार्टमेंट में पोस्टेड हैं। सबसे बदनाम में से एक है। अब देखने वाली बात ये है कि कार्रवाई को लेकर निश्चिंतता बनी रहेगी या मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

महिला अधिकारी से काम लेना कप्तान से सीखें:
एक कहावत है, 32 दांतों के बीच में जीभ रहता है। हल्का सा इधर-उधर हुआ तो जीभ का कटना तय है। प्रदेश में एक ऐसे दबंग आईपीएस हैं, जिनकी कहानी इशारों-इशारों में पूरी हो जाती है। दूसरे जिले और पीएचक्यू के अफसर इन दिनों कप्तान की खूब चर्चा कर रहे हैं। दबंग के साथ-साथ साफ-सुथरा छवि वाले हैं आईपीएस। बेहद ही धार्मिक माहौल वाला घर है। कप्तान के जिले में दो महिला अधिकारियों के खिलाफ शिकायत हुई है। पहले भी हुई थी। कप्तान ने साफ-साफ कहा था कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कई दिशा-निर्देश तल्ख होकर देने पड़ते हैं। ऐसे समय में महिला पुलिस अधिकारियों से काम लेना अपने आप में बड़ी बात है।

खास खबर

पुरानी बस्ती पुलिस की कार्रवाई, चाकू के साथ 2 युवक हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के पश्चिम जोन अंतर्गत थाना पुरानी बस्ती पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान दो अलग-अलग स्थानों से धारदार चाकू के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुरानी बस्ती पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग और संदिग्धों की चेकिंग की जा रही है। इसी दौरान 24 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि दो युवक अवैध रूप से चाकू रखे हुए हैं।

पहली कार्रवाई - तिरंगा चौक: पुलिस टीम ने तिरंगा चौक, कुशालपुर में घेराबंदी कर आरोपी मयंक ठाकुर पिता ईश्वर ठाकुर उम्र 20 वर्ष निवासी राष्ट्रीय चौक, शेखर किराना के पास, कुशालपुर को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से एक स्टील का धारदार चाकू बरामद हुआ। आरोपी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका।

दूसरी कार्रवाई - कुशालपुर चौक: इसके बाद कुशालपुर चौक के पास से आरोपी खेमकरण ध्रुव उर्फ फाइटर पिता गणेश ध्रुव उम्र 20 वर्ष निवासी आदिवासी कॉलोनी, कुशालपुर को पकड़ा गया। उसके कब्जे से भी एक स्टील का धारदार चाकू मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 335/2026 और 336/2026 धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। बरामद चाकू जप्त कर दोनों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। रायपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अवैध हथियार रखने या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डोंगरगांव में पशु तस्करी के 2 आरोपी गिरफ्तार, 10 लाख की भैंस-भैंसा और पिकअप वाहन जप्त

डोंगरगांव। थाना डोंगरगांव पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों के कब्जे से 10 लाख रुपये कीमत के मवेशी और एक पिकअप वाहन भी जप्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

कैसे पकड़े गए आरोपी: 24 जुलाई 2026 की रात बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से सूचना मिली कि एक संदेही वाहन पशु तस्करी कर रहा है। सूचना पर पुलिस और बजरंग दल ने समन्वय कर ग्राम आयबांधा चौक के पास घेराबंदी की और वाहन क्रमांक CG 08 AZ 7329 को रोका। तलाशी में वाहन में 03 भैंस, 02 भैंसा और 01 पडवा क्रूरता पूर्वक ठूंस-ठूंस कर भरे मिले। सभी मवेशियों को जप्त कर सुरक्षार्थ गौशाला भेज दिया गया। सफेद रंग का अशोक लीलैंड पिकअप वाहन भी जप्त किया गया। पुलिस ने आरोपी राधे श्याम अंबादे पिता मदन लाल अंबादे उम्र 35 वर्ष निवासी दामा बंजारी थाना छुरिया और सिद्धार्थ बंसोड पिता अजीत बंसोड उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड नं. 01 बजरंगपुर पुलिस चौकी चिखली को 25 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मवेशियों को महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जा रहे थे। उनके खिलाफ अपराध क्रमांक 236/2026 के तहत छग कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/192 के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, प्रधान आरक्षक बृजमोहन यादव और आरक्षक अजमेर खान की भूमिका इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण रही। पुलिस ने कहा कि जिले में पशु तस्करी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचे शिक्षक

वीडियो वायरल, ग्रामीणों ने इएड से की लिखित शिकायत, कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु / सुरजपुर-प्रतापपुर

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड स्थित पहाड़करवां प्राथमिक शाला में एक शिक्षक के शराब के नशे में स्कूल पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों ने शिक्षक की हरकत पर नाराजगी जताते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपी है।

लड़खड़ाते हुए पहुंचे स्कूल

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को पहाड़करवां प्राथमिक शाला का निरीक्षण करने सरपंच और ग्रामीण स्कूल पहुंचे थे। इसी दौरान पदस्थ शिक्षक शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचे। वीडियो में शिक्षक लड़खड़ाते हुए नजर आ रहे हैं और उपस्थिति दर्ज कराने के लिए मोबाइल में अपनी लोकेशन खोजते दिख रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक की इस हालत को देखकर वे हैरान रह गए। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऐसे शिक्षकों के कारण शिक्षा व्यवस्था की छवि धूमिल हो रही है।

BEO से की शिकायत

घटना के बाद ग्रामीणों ने मौके पर पूरे घटनाक्रम का पंचनामा तैयार किया और शिक्षक के खिलाफ विकासखंड शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत दी। ग्रामीणों ने दोषी शिक्षक पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। मामले में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

लूट का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, 84 हजार रुपये नकद बरामद

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट की उत्तर जोन पुलिस ने लूट की घटना को 12 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से लूट की नकदी 84,000 रुपये भी बरामद की गई है।

थाना गुढ़ियारी में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी लखन यादव 24 जुलाई की रात करीब 10 से 11 बजे अपने दोपहिया से घर से मध्यप्रदेश जाने के लिए निकला था। वह अपने साथ नकदी रकम लेकर जा रहा था। गुढ़ियारी क्षेत्र के दुर्गा नगर अशोक नगर के पास आरोपी विक्की घृतलहरे ने उससे बातचीत शुरू की। इसी दौरान नकदी देखकर आरोपी ने प्रार्थी के साथ मारपीट कर रुपये लूट लिए और फरार हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर थाना गुढ़ियारी में अपराध क्रमांक 300/26 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने कसी नकेल: घटना को डीसीपी उत्तर श्रीमती दीपमाला कश्यप ने गंभीरता से लिया। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आदित्य पाण्डेय, एसीपी उरला पूर्णिमा लामा और थाना प्रभारी गुढ़ियारी को तत्काल आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी और आरोपी विक्की घृतलहरे पिता सुखीराम घृतलहरे उम्र 20 वर्ष निवासी छोटा अशोक नगर थाना गुढ़ियारी को पकड़ लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने लूट की घटना स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई 84,000 रुपये की नकदी जप्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बंद कमरे में मिला ग्रामीण का शव

रायगढ़। जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में एक ग्रामीण का शव बंद कमरे में मिला है। शव करीब दो दिन पुराना होने के कारण सड़-गल चुका था और कमरे से तेज दुर्गंध आ रही थी। घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम तराईमाल के धनवारपारा में शनिवार को एक बंद कमरे में 50 वर्षीय गणपतिलाल भगत का शव मिला। भगत मूल रूप से तमनार थाना क्षेत्र के ग्राम गारे का रहने वाला था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से तराईमाल के धनवारपारा में रह रहा था।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल, शारीरिक बाध्यता का उठाया फायदा, 7 माह की गर्भवती होने पर खुला मामला

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगांव

डोंगरगांव थाना पुलिस ने नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के आरोप में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी ने पीड़िता की शारीरिक बाध्यता और अपंगता का फायदा उठाया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अपनी बेटी का पेट दर्द होने पर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल राजनांदगांव ले गया था। जांच में पता चला कि पीड़िता 7 माह की गर्भवती है। इसके बाद 24.07.2026 को प्रार्थी ने थाना डोंगरगांव में आरोपी कमल नारायण साहू के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत पर थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 235/2026 धारा 64(2)(के) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

संकेत भाषा विशेषज्ञ की मदद से हुआ खुलासा

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पीड़िता बोलकर कुछ बता पाने में असमर्थ थी। ऐसे में सीआरसी सेंटर के विशेषज्ञ सांकेतिक दुभाषिया की मदद से पीड़िता का बयान दर्ज कराया गया।

पुलिस ने आरोपी कमल नारायण साहू पिता सेवाराम साहू उम्र 24 वर्ष निवासी तुमडीलेवा थाना डोंगरगांव को उसके घर से पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में सउनि देवकुमार रावटे और प्रधान आरक्षक संदीप देशमुख की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आकाशीय बिजली गिरने से 7 साल के बच्ची की मौत

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में शनिवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से लखनपुर ब्लॉक के ग्राम बिनिया में खेत में धान की रोपाई के दौरान गाज गिरने से 7 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि एक युवक और 9 साल की बच्ची घायल हो गए। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बिनिया निवासी प्रीति ठाकुर उम्र 7 वर्ष अपने परिवार के साथ खेत में धान की रोपाई करने गई थी। शनिवार शाम करीब 4:30 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया और तेज बारिश के बीच खेत में आकाशीय बिजली गिर गई। इस दौरान खेत में मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि प्रीति ठाकुर अपने पिता शिक्षा प्रसाद ठाकुर, मां पुनीता ठाकुर, 9 वर्षीय बहन रूमा ठाकुर, रवि ठाकुर, वृक्षा प्रसाद ठाकुर और व्रत कुंवर ठाकुर के साथ खेत में रोपा लगाने का काम कर रही थी। इसी दौरान अचानक बिजली गिरने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की मासिक बैठक, संगठन विस्तार और सदस्यता पर चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और मातृ संगठन छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना की संयुक्त मासिक प्रादेशिक बैठक शनिवार को रायपुर में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अमित बघेल आठ महीने बाद संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। इसके अलावा अजय यादव और दिनेश वर्मा का भी अभिनंदन किया गया।

संगठन को तीन-तीन जिलों का प्रभार

प्रदेश उपाध्यक्ष जेसीपी चंद्रकांत यदु ने कहा कि छत्तीसगढ़ की राजनीति में नए विकल्प के रूप में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के विजन और कार्यों को आमजन तक पहुंचाना सेनानियों का पहला दायित्व है। जेसीपी महासचिव भूषण साहू ने बताया कि प्रदेश के 33 जिलों को क्लस्टर में बांटकर दौरा किया जाएगा। प्रदेश पदाधिकारियों को तीन-तीन जिलों का प्रभारी बनाया जाएगा ताकि विजन 2028 को गति मिल सके।

बिरगांव चुनाव की तैयारी शुरू

छत्तीसगढ़िया युवा क्रान्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा ने बिरगांव नगर निगम चुनाव की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों को रणनीतिक जानकारी दी।

जबर हरेली रैली की तैयारी

केंद्रीय अध्यक्ष अमित बघेल ने कहा कि संगठन अब उस ऊंचाई पर पहुंच चुका है कि दिल्ली में आइसा द्वारा आयोजित आंदोलन की प्रेरणा भी छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना है। पुरखा का सुरता, जबर हरेली रैली, धुर्रा छड़ाव, अदरा लदका जैसे कार्यक्रमों की चर्चा अब राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

बैठक में 16 अगस्त को होने वाले संगठन के प्रमुख कार्यक्रम जबर हरेली रैली का पोस्टर विमोचन भी किया गया। संगठन महामंत्री यशवंत वर्मा ने पदाधिकारियों के माध्यम से पूरे छत्तीसगढ़िया समाज को रैली में शामिल होने का आमंत्रण दिया। बैठक में छत्तीसगढ़िया युवा क्रान्ति सेना, महिला क्रान्ति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी महिला संगठन के जिला अध्यक्ष, महामंत्री सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपराध

खाता फ्रीज, पूर्व सिविल सर्जन समेत कई नाम जांच के घेरे में, 5 सदस्यीय समिति गठित

परिवार नियोजन की राशि पर डाका! 8.80 लाख के कथित फर्जी भुगतान से मचा हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

जिला अस्पताल में परिवार नियोजन प्रोत्साहन राशि के वितरण में ?8.80 लाख के कथित फर्जी भुगतान का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि फर्जी दस्तावेज और रिकॉर्ड के आधार पर सरकारी राशि निकाल ली गई। मामला उजागर होते ही संबंधित बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच के लिए राज्य स्तरीय 5 सदस्यीय समिति गठित की गई है।

कैसे हुआ खुलासा

जिला अस्पताल में परिवार नियोजन ऑपरेशन के बाद लाभार्थियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के वितरण में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राशि लाभार्थियों तक नहीं पहुंची, बल्कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भुगतान दर्शाकर निकाल ली गई।

मामले की जानकारी मिलते ही वर्तमान सिविल सर्जन ने संबंधित बैंक खाते को तत्काल फ्रीज कराया। साथ ही भुगतान से जुड़े दस्तावेज, रिकॉर्ड और बैंक ट्रांजेक्शन की जांच शुरू की गई।

जांच समिति करेगी पड़ताल

स्वास्थ्य विभाग ने पूरे मामले की तह तक जाने के लिए 5 सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति जनवरी 2023 से फरवरी 2026 तक के समस्त अभिलेख, दस्तावेज और बैंक लेनदेन की जांच करेगी। समिति यह पता लगाएगी कि राशि किन खातों में गई, भुगतान किस आधार पर हुआ और इसमें किन अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका रही।

पूर्व सिविल सर्जन समेत कई नाम शामिल

आरोप है कि कथित फर्जीवाड़े की साजिश पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस. कुजूर, डॉ. दीपक जायसवाल और अस्पताल के सलाहकार अंकित ताम्रकार के स्तर पर रची गई। हालांकि अभी किसी की भूमिका आधिकारिक रूप से तय नहीं हुई है। यदि आरोप सही पाए गए तो आर्थिक अनियमितता और सरकारी राशि के दुरुपयोग के तहत कार्रवाई होगी। जांच में जिला अस्पताल के एक भृत्य के खाते से भी 8.56 लाख के लेनदेन का मामला सामने आया है। कमर्चारी ने खाते के उपयोग से इनकार किया है। बैंक रिकॉर्ड, हस्ताक्षर और डिजिटल ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है।

विधानसभा तक पहुंचा मामला

जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं की राशि में गड़बड़ी गंभीर अपराध है। सिर्फ खाता फ्रीज करना पर्याप्त नहीं, पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए।

सिस्टम पर उठे सवाल

लाखों रुपये का भुगतान बिना जांच के कैसे हुआ? निगरानी कौन कर रहा था? जिम्मेदार अधिकारियों की नजर क्यों नहीं पड़ी? अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कांग्रेस ने रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर में घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार के लगाए आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर परियोजना में घटिया निर्माण, देरी और कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार इस परियोजना को प्रदेश के विकास की रीढ़ बता रही है, लेकिन इसी परियोजना में लगातार गुणवत्ता और अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही हैं। सरकार को प्रचार के बजाय इन सवालों का गंभीरता से जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार इस परियोजना पर लगभग 16 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का दावा कर रही है। इसके बावजूद निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। यदि अधिकांश काम पूरा हो चुका है तो जगह-जगह मरम्मत और सुधार की नौबत क्यों आ रही है? इससे साफ है कि निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया गया है।

कांग्रेस के सवाल: सत्यप्रकाश सिंह ने पूछा कि परियोजना में कथित अनियमितताओं और लागत बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार कौन है? गुणवत्ता की निगरानी करने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही कब तय होगी? जिन स्थानों पर खामियां मिली हैं वहां दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? साथ ही सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि शेष कार्य कब तक पूरा होगा और जनता को इसका लाभ कब मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर सिर्फ दावे कर रही है। सड़क निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।'

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।

बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला।

महिमा मकवाना ने बताई इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है।

आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।'

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।

अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से अलग हुए आमिर खान

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अश्नीर ग्रोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अश्नीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं।

क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से अलग हुए आमिर

आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। मेकर्स को नए यंग एक्टर की तलाश आमिर खान के हटने के बाद भी बायोपिक पर काम बंद नहीं हुआ है। डायरेक्टर राहुल मोदी और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर फिल्म को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब मेकर्स अश्नीर ग्रोवर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स की इंडस्ट्री के दो से तीन बड़े युवा एक्टर्स से बात चल रही है और जल्द ही मुख्य किरदार के नाम पर मुहर लग सकती है।

मार्च 2027 में शुरू होने वाली थी फिल्म की शूटिंग शुरुआती योजना के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2027 में शुरू होनी थी। आमिर खान निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ अपनी पीरियड ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद इस बायोपिक का काम शुरू करने वाले थे। हालांकि, अब कास्टिंग में बदलाव होने के बाद शूटिंग शेड्यूल पर भी असर पड़ सकता है।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा

इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अश्नीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।

नितांशी गोयल ने पूरी की 'तक्षाकुडू' की शूटिंग

फिल्म 'लापता लेडीज' फेम नितांशी गोयल अपनी अपकमिंग फिल्म 'तक्षाकुडू' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। उन्होंने सेट से कई बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। नितांशी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह दुल्हन की तरह सजी हैं। एक दूसरी तस्वीर में वह कुत्ते के सिर से अपना सिर लगा रगा रही हैं। एक और तस्वीर में वह आनंद देवरकोंडा के साथ पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में वह फिल्म की टीम के साथ नजर आ रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए नितांशी ने लिखा 'तक्षकुडू की शूटिंग पूरी कर ली है। यह सफर बहुत अच्छा रहा। सेट पर हर दिन मैंने कुछ ऐसा सीखा जिसे अपने घर ले जा सकूं। बहुत अच्छी यादें बनाईं। बहुत अच्छे लोग मिले। एक ऐसी भाषा सीखी, जिससे प्यार हो जाए। फिल्म में अपने किरदार के बहुत पास रहूंगी।' आपको बता दें कि निताशीं गोयल की अपकमिंग फिल्म 'तक्षाकुडू' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें वह 'करुणा' नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हैं। इसमें उनके साथ आनंद देवरकोंड़ा हैं। इसके निर्देशक विनोट अनंतोजु हैं।

नितांशी गोयल साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'लापता लेडीज' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने फूल कुमारी का किरदार निभाया था, जिसकी काफी तारीफ हुई थी। बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड मिला था। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी।

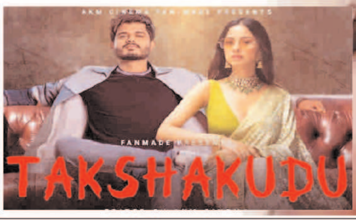

ऑडियंस के पास अब बहुत चॉइस अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिएलिटी शो 'अंताक्षरी' में होस्ट रहे हों या 'विकी डोनर' और 'ड्रीम गर्ल' में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिल्मी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अन्नू कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे भाग्य में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई 'विकी डोनर' में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अन्नू मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रैजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टर्स ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टर्स में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।'

करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नू ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नू, 'अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेफ्यूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेफ्यूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नत्थू स्वीट्स से छोले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथी की तरह चलता हुआ पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।'

ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

अन्नू जल्द अपनी नई फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी हैं कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छा कॉन्टेंट लेकर आएंगे।'

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नू से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, 'मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूं। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगो का सहारा लेकर क्यों आऊं। इतना कमजोर क्यों बनूं? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।'

दिव्यांगों के सपनों को मिली नई उड़ान : समाज कल्याण विभाग की ऋण योजना बनी आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

हौसला बुलंद हो और कुछ कर गुजरने का जज़्बा हो तो शारीरिक चुनौतियां भी सफलता की राह नहीं रोक सकतीं। इसका प्रेरणादायी उदाहरण जिले के वे दिव्यांग हितग्राही हैं, जिन्होंने समाज कल्याण विभाग एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की स्वरोजगार ऋण योजना का लाभ लेकर न केवल अपना व्यवसाय स्थापित किया, बल्कि समय पर ऋण की संपूर्ण अदायगी कर आत्मनिर्भरता, ईमानदारी और जिम्मेदारी की मिसाल भी कायम की।

इसी क्रम में आज कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने पूर्ण ऋण अदायगी करने वाले दिव्यांग हितग्राहियों का शॉल एवं प्रशस्ति देकर सम्मान किया। इस अवसर पर दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं की समीक्षा, स्वरोजगार गतिविधियों के विस्तार तथा अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा भी की गई।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि शासन का उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राही अन्य दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सफलता शासन की योजनाओं की प्रभावशीलता का प्रमाण है।निगम अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया ने कहा कि समय पर ऋण अदायगी करने वाले हितग्राही शासन की योजनाओं के सच्चे प्रेरणास्रोत हैं। उनकी सफलता से अन्य दिव्यांगजन भी स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित होंगे।

तीन प्रेरणादायी कहानियां बनीं सफलता की मिसाल

ग्राम मोहरेंगा निवासी श्रीमती श्यामकुंवर साहू ने ऋण सहायता से सिलाई मशीन एवं आवश्यक सामग्री खरीदकर अपना बुटीक कार्य प्रारंभ किया। आज वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने निर्धारित समय में ऋण की संपूर्ण अदायगी कर अनुशासन और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। नगर पंचायत नवागढ़ के वार्ड क्रमांक-2, सुकुलपारा निवासी लीलाराम सोनकर ने ऋण लेकर किराना एवं जनरल स्टोर की शुरुआत की। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने व्यवसाय को सफल बनाया और समय पर पूरा ऋण जमा कर यह साबित किया कि अवसर मिलने पर कोई भी आत्मनिर्भर बन सकता है।

ग्राम ढोलिया निवासी श्रीमती गोमती साहू ने ऋण सहायता से पशुपालन का व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान में वे दूध उत्पादन एवं पशुपालन से नियमित आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने भी समय पर ऋण का पूर्ण भुगतान कर अन्य हितग्राहियों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

आत्मनिर्भरता की सशक्त सीढ़ी बनी योजना

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह योजना दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कम ब्याज पर उपलब्ध कराए जाने वाले ऋण के माध्यम से हितग्राही दुकान, लघु उद्योग, पशुपालन, कृषि एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न व्यवसाय प्रारंभ कर रहे हैं। समय पर ऋण अदायगी करने वाले हितग्राहियों के कारण विभाग को अधिक जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक भी योजना का लाभ पहुंचाने में सुविधा मिल रही है।कार्यक्रम में दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री पंकज वर्मा, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पदमाकर, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सम्मानित हितग्राहियों ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और समाज में नई पहचान भी प्रदान की है।

इन हितग्राहियों की सफलता यह संदेश देती है कि शारीरिक सीमाएं केवल शरीर तक होती हैं, हौसलों तक नहीं। सही अवसर, सहयोग और दृढ़ संकल्प के साथ दिव्यांगजन भी आत्मनिर्भर बनकर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजनों को स्वरोजगार हेतु ऋण प्रदाय योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है, ताकि वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इस योजना के माध्यम से जिले के अनेक दिव्यांग हितग्राहियों ने सिलाई, किराना व्यवसाय, पशुपालन, लघु उद्योग एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियां प्रारंभ कर अपने जीवन को नई दिशा दी है। समय पर ऋण की पूर्ण अदायगी करने वाले हितग्राही न केवल अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बने हैं, बल्कि शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता के भी सशक्त उदाहरण हैं।

खास खबर

भोरमदेव अभ्यारण्य की पहचान ऑरेंज ओकलीफ को दें अपना वोट

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ की राजकीय तितली के चयन के लिए जनमत संग्रह में जिलेवासी बढ़-चढ़कर करें सहभागिता-डीएफओ निखिल अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की समृद्ध जैव विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली राजकीय तितली के चयन के लिए जनमत संग्रह आयोजित किया जा रहा है। इस जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत प्रदेशवासियों से तीन चयनित तितलियों में से अपनी पसंदीदा तितली को वोट देने की अपील की गई है।

कबीरधाम जिले का गौरव भोरमदेव अभ्यारण्य अपनी समृद्ध वन संपदा एवं जैव विविधता के लिए प्रदेशभर में प्रसिद्ध है। यहां प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली आकर्षक तितली ऑरेंज ओकलीफ (व्तंदहम वंसमां) जिले की प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में जिलेवासियों से अपील की जा रही है कि वे अधिक से अधिक संख्या में ऑरेंज ओकलीफ के पक्ष में मतदान कर इसे छत्तीसगढ़ की राजकीय तितली बनाने में अपना योगदान दें।

वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने बताया कि ऑरेंज ओकलीफ केवल एक सुंदर तितली ही नहीं, बल्कि भोरमदेव अभ्यारण्य की समृद्ध जैव विविधता और प्राकृतिक विरासत का प्रतीक भी है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में जनमत संग्रह में भाग लेकर ऑरेंज ओकलीफ के पक्ष में मतदान करें तथा इस अभियान को अपने परिवार, मित्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से साझा करें, ताकि भोरमदेव अभ्यारण्य की यह विशिष्ट तितली छत्तीसगढ़ की राजकीय तितली बनने का गौरव प्राप्त कर सके।

जनमत संग्रह में शामिल हैं तीन तितलियां : वनमंडलाधिकारी श्री निखिल अग्रवाल ने बताया कि जनमत संग्रह में तीन तितलियां शामिल हैं। जिसमे ऑरेंज ओकलीफ, कॉमन बैंडेड पीकॉक, स्पॉट स्वॉर्डटेल शामिल है। वोट करने के लिए https://forms.gle/7Mqa1kBLx4dnFA6b7 लिंक है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति व जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना की काउंसलिंग निरस्त, नई तिथि अलग से होगी जारी

कवर्धा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए जारी संशोधित दिशा-निर्देशों के परिपालन में पूर्व निर्धारित काउंसलिंग प्रक्रिया को निरस्त कर दिया गया है। आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 जुलाई 2026 को आयोजित काउंसलिंग की कार्यवाही को निरस्त किया जाता है। विभाग द्वारा बताया गया है कि काउंसलिंग की आगामी कार्यवाही के संबंध में संशोधित निर्देश एवं नई तिथि की सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

नवीन पंचायत भवन से ग्राम विकास को मिलेगी नई गति : उप मुख्यमंत्री शर्मा

खैरागढ़ के ग्राम खौड़ा में नवनिर्मित पंचायत भवन का उप मुख्यमंत्री शर्मा ने किया लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम के दौरान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम खौड़ा पहुंचे। जहां उन्होंने 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास और पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। पंचायत भवन केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने ग्रामीणों से पंचायत भवन का बेहतर उपयोग करते हुए गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, सांसद प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार, सरपंच जनेराम पटेल सहित घम्मन साहू, राजेश मेहता, राकेश ठाकुर, राजू जंघेल, पंचायत के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ऑनलाइन खाद-कीटनाशक सप्लाई के नाम पर 5 .40 लाख की साइबर ठगी, यूपी से आरोपी गिरफ्तार

खैरागढ़। ऑनलाइन खाद और कृषि दवाइयां उपलब्ध कराने का झांसा देकर 5.40 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले एक आरोपी को खैरागढ़ पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 12 एटीएम कार्ड, दो बैंक पासबुक और वारदात में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन जब्त किया गया है। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम चिखलदाह निवासी ऋषभ सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कृषि कार्य के लिए खाद और कृषि दवाइयां खरीदने के उद्देश्य से उन्होंने कुछ मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया। खुद को सप्लायर बताने वाले आरोपियों ने व्हाट्सएप और फोन कॉल के जरिए ऑर्डर लेकर अलग-अलग किश्तों में कुल 5.40 लाख रुपये अपने बैंक खातों में जमा करा लिए। राशि प्राप्त करने के बाद आरोपियों ने न तो खाद और कृषि दवाइयों की आपूर्ति की और न ही पैसे वापस किए। बाद में उनके मोबाइल फोन भी बंद हो गए। शिकायत की जांच में साइबर धोखाधड़ी की पुष्टि होने पर थाना खैरागढ़ में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण और डिजिटल ट्रेल के आधार पर पुलिस को आरोपी की लोकेशन उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में मिली। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से दबिश देकर नगला लच्छी, थाना किसनी, जिला मैनपुरी निवासी 27 वर्षीय अनुरुद्ध कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस साइबर ठगी गिरोह में और कौन-कौन शामिल हैं तथा कितने लोगों को इसी तरह निशाना बनाया गया है।

कवर्धा शहर में बंदरों ने दर्जनभर लोगों पर किया हमला, दहशत का माहौल

बच्चों को स्कूल भेजने से लेकर बुजुर्गों के घर से बाहर निकलने तक में भय का माहौल

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

शहर में लंगूरों का बढ़ता आतंक अब आम लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। बीते 10 दिनों में शहर के तीन वाडी में 12 से अधिक लोगों पर लंगूर हमला कर चुके हैं। सबसे अधिक घटनाएं वार्ड क्रमांक 10, 11 और 12 में सामने आई हैं, जहां लोग दहशत के साये में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बच्चों को स्कूल भेजने से लेकर बुजुर्गों के घर से बाहर निकलने तक में भय का माहौल है। लगातार हो रहे हमलों ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है और अब नागरिक इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लंगूर मकानों की छतों, पेड़ों, बिजली के खंभों और दीवारों पर बैठे रहते हैं तथा अचानक राहगीरों पर हमला कर देते हैं। कई लोगों के हाथ, पैर और चेहरे पर गहरे घाव आए हैं। कुछ घायलों को अस्पताल में टांके लगाने पड़े हैं, जबकि संक्रमण की आशंका को देखते हुए चिकित्सकों ने एंटी रैबीज टीके भी लगाए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बंदरों के काटने पर समय पर उपचार नहीं मिलने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। यही कारण है कि लगातार बढ़ रही घटनाओं ने लोगों की चिंता और अधिक बढ़ा दी है।

प्रभावित वार्डों में रहने वाले लोगों का कहना है कि अब बच्चे अकेले स्कूल जाने से डर रहे हैं। महिलाएं और बुजुर्ग भी आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों में भी भय बना हुआ है कि यदि चलते समय लंगूर हमला कर दे तो बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो किसी दिन कोई बड़ी जनहानि भी हो सकती है।

लगातार शिकायतों के बाद वन विभाग ने बिलासपुर से पहुंची पशु चिकित्सक टीम के साथ संयुक्त अभियान चलाकर तीन लंगूरों का सफल रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित जंगल में छोड़ा था। लोगों को उम्मीद थी कि इसके बाद हालात सामान्य होंगे, लेकिन हमलों का सिलसिला नहीं थमा। इससे नागरिकों में चिंता और बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि जब तक आबादी वाले क्षेत्रों में सक्रिय आक्रामक लंगूरों को पूरी तरह नहीं हटाया जाएगा, तब तक खतरा बना रहेगा।

ग्रामों के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ-कलेक्टर गोपाल वर्मा

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिला प्रशासन का जोर, प्लास्टिक मुक्त कबीरधाम बनाने जनभागीदारी का आह्वान

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले को स्वच्छ, स्वस्थ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सवोच्च प्राथमिकता है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों तथा राज्य शासन के निर्देशानुसार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का जिले में प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके लिए ग्राम स्तर तक व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक घर में निर्मित व्यक्तिगत शौचालयों का नियमित उपयोग सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही परिवारों की संख्या में वृद्धि होने पर पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें व्यक्तिगत शौचालय की स्वीकृति प्रदान की जाए। सामुदायिक शौचालयों का समुचित उपयोग एवं समय-समय पर उनकी मरम्मत सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित सेग्रिगेशन शेड, नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट, फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट एवं गोबर गैस प्लांट जैसी परिसंपत्तियों का नियमित रख-रखाव एवं मरम्मत ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी है। इन परिसंपत्तियों का बेहतर संचालन ही स्वच्छता अभियान को स्थायी सफलता दिलाएगा।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत विभागीय अमले एवं स्वच्छाग्रहियों के माध्यम से लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जनपद पंचायतों में नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित कर सरपंचों एवं सचिवों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यवहार परिवर्तन ही स्वच्छ भारत मिशन की सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, सचिवों एवं स्वच्छाग्रहियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए। प्लास्टिक कचरे को खुले में न फेंकें, बल्कि उसे एकत्रित कर अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामों के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। जिले को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है और सभी के सहयोग से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

आस्था का पर्व गुरुद्वारा चौक पर हुआ भव्य स्वागत, 23 जुलाई को यज्ञ की पूर्णाहुति

श्री हनुमत महायज्ञ के आठवें दिन अयोध्या से पहुंचे लक्ष्मण किलाधीश महाराज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

श्री मिथिला धाम गणेश हनुमान मंदिर मौनी बाबा आश्रम में चल रहे श्री हनुमत महायज्ञ के आठवें दिन मंगलवार को अयोध्या धाम से लक्ष्मण किलाधीश पूज्य मैथिली रमण शरण महाराज का आगमन हुआ। महाराज के पहुंचने पर गुरुद्वारा चौक पर मंदिर समिति और मौनी बाबा के शिष्यों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, गाजे-बाजे और पुष्पवर्षा की गई।

दिग्गज रहे मौजूद : इस अवसर पर राजनांदगांव शहर के महापौर मधुसूदन यादव, अशोक चौधरी, भावेश अग्रवाल, आलोक बिंदल, योगेश मानिक, मनोज चौधरी, लक्ष्मी बाबू झा, श्रीमती उषा चौधरी, श्रीमती राधा झा, श्रीमती कुमुद चौधरी, श्रीमती कल्पना झा और राजू झा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

यज्ञ का संपादन कर रहे वैदिक पंडित अशोक पांडे, डॉ. निरंजन ठाकुर, पंडित आदित्य झा, पंडित दिनेश पांडा सहित सभी पंडितों ने वैदिक मंत्रों के साथ महाराज का अभिनंदन किया। पूज्य मौनी बाबा के निर्देशन में पूरा स्वागत समारोह संपन्न हुआ। स्वागत के बाद श्री लक्ष्मण किलाधीश महाराज और पूज्य मौनी बाबा ने महापौर मधुसूदन यादव, अशोक चौधरी सहित समस्त भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया और यज्ञ की सफलता की कामना की।

कल पूर्णाहुति : मंदिर समिति के महंत श्री त्यागी बाबा ने बताया कि 23 जुलाई, बुधवार को आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की नवमी तिथि है और इसी दिन श्री हनुमत महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। महंत त्यागी बाबा ने शहरवासियों और सभी श्रद्धालुओं से यज्ञ की पूर्णाहुति में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

हनुमत महायज्ञ में शामिल होने के बाद अयोध्या के लक्ष्मण किलाधीश महाराज को भावभीनी विदाई, मौनी बाबा के सान्निध्य में भक्तों ने की विदाई, पुन: आगमन का किया आग्रह

श्री मिथिला धाम गणेश हनुमान मंदिर मौनी बाबा आश्रम में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के अवसर पर चल रहे श्री हनुमत महायज्ञ में शामिल होने अयोध्या धाम से पधारे लक्ष्मण किलाधीश महाराज को मंगलवार को भावभीनी विदाई दी गई। महाराज की विदाई पूज्य मौनी बाबा के सान्निध्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर मिथिला धाम के भक्तजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पुष्प वर्षा के साथ महाराज को विदा किया। विदाई समारोह में मंदिर समिति के पदाधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित रहे। इनमें अशोक चौधरी, प्रफुल्ल भाई भोजानी, योगेश मानिक, मनोज चौधरी, देवेंद्र ठाकुर, राजू झा, पंडित आदित्य झा, पंडित सूरज झा, पंडित विमलेश महाराज, श्रीमती आशा झा, श्रीमती राधा झा, श्रीमती उषा देवी चौधरी, श्रीमती कुमुद देवी चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सभी भक्तों ने महाराज से पुन: मिथिला धाम पधारने का निवेदन किया। महाराज ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सनातन धर्म और हनुमान भक्ति के प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 06 वाहन चालको पर बेमेतरा पुलिस की सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव एवं डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती शशीकला उईके के मार्गदर्शन में समस्त थाना-चौकी व यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने के लिए समस्त थाना-चौकी एवं यातायात पुलिस बेमेतरा द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 23 जुलाई 2026 को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 06 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 2 हजार रुपये का समन शुल्क लिया गया।

अभियान के दौरान नो-एंट्री, तेज गति, बिना लाइसेंस, बिना बीमा, बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, परमिट शर्तों का उल्लंघन, मॉडिफाइड साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे मामलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। यातायात बेमेतरा में 06 चालान में 06 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्रवाई किया गया। जिसमें तीन सवारी, घातक स्थिति में वाहन खड़ी करना, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना नंबर तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 06 प्रकरण में 2,000 रूपये समन शुल्क लिया गया।

शहीद कौशल यादव की 26वीं पुण्यतिथि पर शिक्षा मंत्री यादव ने दी श्रद्धांजलि

"उनका बलिदान युवा पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत"

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कारगिल विजय के अमर योद्धा शहीद कौशल यादव की 26वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भिलाई के हुडको स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शहीद कौशल यादव का अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान देश की युवा पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए शहीद कौशल यादव द्वारा दिया गया बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और देश उनके अमूल्य योगदान का ऋणी रहेगा। मंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार वीर सैनिकों के शौर्य, त्याग और बलिदान को सर्वोच्च सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

परिजनों से की आत्मीय भेंट

कार्यक्रम के दौरान गजेन्द्र यादव ने शहीद कौशल यादव के परिजनों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है और सरकार हर स्थिति में उनके साथ खड़ी है। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्य, एनसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर कारगिल के वीर सपूत को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

विधायक चंद्राकर ने शहीद कौशल यादव को दी श्रद्धांजलि

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद कौशल यादव नगर, हुड़को में शहीद कौशल यादव "वीर चक्र" का 27वां स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। विधायक ललित चंद्राकर ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर चक्र से सम्मानित शहीद कौशल यादव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, शहीद परिवार के सदस्य, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में शहीद कौशल यादव अमर रहें के नारे लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर ललित चंद्राकर ने कहा कि "कारगिल युद्ध में शहीद कौशल यादव ने अपने अदम्य साहस, वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनका सर्वोच्च बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा एवं आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रसेवा और देशभक्ति का संकल्प जागृत करता रहेगा।"

आयुक्त सुरुचि सिंह ने किया प्रेस क्लब भवन का निरीक्षण

भवन के संधारण को लेकर प्रेस क्लब पदाधिकारियों से की चर्चा, जरूरी सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिका निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह ने शनिवार सुबह प्रेस क्लब भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने भवन की साफ-सफाई, बिजली, पानी, फर्नीचर और अन्य मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने भवन की वतर्मान स्थिति और रखरखाव से जुड़े मुद्दों पर भी जानकारी ली।

इस अवसर पर न्यू प्रेस क्लब आफ भिलाई नगर के अध्यक्ष अनिल गुप्ता सहित पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। पत्रकारों ने आयुक्त के समक्ष प्रेस क्लब भवन के संधारण, रंग-रोगन, मरम्मत और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर अपनी बात रखी। प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि पत्रकारों के कामकाज के लिए भवन में कुछ आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकता है, जिसे जल्द पूरा किया जाए।

आयुक्त सुरुचि सिंह ने सभी बिंदुओं को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं। उनकी सुविधा के लिए नगर निगम हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भवन के संधारण कार्य की रिपोर्ट तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रेस क्लब की मांगों पर प्राथमिकता से विचार कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

CSMCL ओवरटाइम घोटाला : पूर्व एमडी एपी त्रिपाठी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजे गए जेल

ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में किया पेश, रिमांड की मांग नहीं की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी CSMCL में हुए ओवरटाइम घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने पूर्व प्रबंध निदेशक एपी त्रिपाठी को शुक्रवार को विशेष न्यायालय में पेश किया। पुलिस रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद ईओडब्ल्यू ने अतिरिक्त रिमांड नहीं मांगी। कोर्ट ने एपी त्रिपाठी को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। वे अब 7 अगस्त तक जेल में रहेंगे।

जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू ने पहले मिली पुलिस रिमांड के दौरान त्रिपाठी से पूछताछ की थी। रिमांड अवधि पूरी होने पर उन्हें ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से आगे पूछताछ के लिए रिमांड की आवश्यकता नहीं बताई गई।

गौरतलब है कि CSMCL में ओवरटाइम भुगतान में अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ी को लेकर ईओडब्ल्यू जांच कर रही है। मामले में पहले भी कई दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए जा चुके हैं। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद त्रिपाठी को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100